खण्ड-07 सत्र-05 अंक-63

सोमवार 04 मार्च, 2024
14 फाल्गुन, 1945 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

सातवीं विधान सभा

पाँचवां सत्र

अधिकृत विवरण
(खण्ड-07 सत्र-05 में अंक 50 से अंक 70 तक सम्मिलित हैं)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय
पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

राज कुमार

सचिव

RAJ KUMAR

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-5 सोमवार, 4 मार्च, 2024/14 फाल्गुन, 1945 (शक) अंक-63

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2.	वार्षिक बजट (2024-25)	3-65
3.	अनुदानों की मांगें (2024-25) का प्रस्तुतिकरण	66
4.	अनुपूरक अनुदान मांगें (2023-24) का प्रस्तुतिकरण, विचार एवं पारण	67-71
5.	दिल्ली विनियोजन (संख्या-1) विधेयक, 2024 का प्रस्तुतिकरण, विचार एवं पारण	72-73

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-5 | सोमवार, 4 मार्च, 2024/14 फाल्गुन, 1945 (शक) | अंक-63

दिल्ली विधान सभा

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1. श्री अजेश यादव
2. श्री अखिलेशपति त्रिपाठी
3. श्रीमती ए. धनवंती चंदीला ए.
4. श्री अब्दुल रहमान
5. श्री बंदना कुमारी
6. सुश्री भावना गौड
7. श्री बी. एस. जून
8. श्री धर्मपाल लाकड़ा
9. श्री दिनेश मोहनिया
10. श्री गिरीश सोनी
11. श्री गुलाब सिंह
12. श्री हाजी युनूस
13. श्री जय भगवान
14. श्री करतार सिंह तंवर
15. श्री मुकेश अहलावत
16. श्रीमती प्रीति जितेंद्र तोमर
17. श्री प्रलाद सिंह साहनी
18. श्री प्रवीण कुमार
19. श्रीमती प्रमिला धीरज टोकस
20. श्री राजेश गुप्ता

21. श्री राजेन्द्र पाल गौतम
22. श्रीमती राजकुमारी ढिल्लों
23. श्री राजेश ऋषि
24. श्री रोहित कुमार
25. श्री शरद कुमार चौहान
26. श्री संजीव झा
27. श्री सोमदत्त
28. श्री शिव चरण गोयल
29. श्री एक. के. बग्गा
30. श्री सुरेंद्र कुमार
31. श्री विनय मिश्रा
32. श्री वीरेंद्र सिंह कादियान
33. श्री अजय दत्त
34. श्री महेन्द्र यादव
35. श्री मदन लाल
36. श्री नरेश यादव
37. श्री पवन शर्मा
38. श्री ऋतुराज गोविंद
39. श्री विशेष रवि

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-5 सोमवार, 4 मार्च, 2024/14 फाल्गुन, 1945 (शक) अंक-63

दिल्ली विधान सभा

सदन पूर्वाह्न 11.08 बजे समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष (श्री रामनिवास गोयल) पीठासीन हुए।

माननीय अध्यक्षः सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत। बड़े हर्ष का विषय है आज श्रीमती आतिशी जी माननीया वित्त मंत्री जी वित्त वर्ष 2024-25 के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली का वार्षिक बजट पहली बार सदन में प्रस्तुत करेंगी।

माननीया वित्त मंत्री (श्रीमती आतिशी): माननीय अध्यक्ष महोदय मैं इस सम्मानित सदन में वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट का प्रस्ताव प्रस्तुत कर रही हूँ।[1] ये हम सबके लिए गर्व की बात है कि आज अरविन्द केजरीवाल जी की सरकार का 10वां बजट इस दिल्ली विधान सभा में प्रस्तुत हो रहा है। मैं इस उपलब्धि के लिए सबसे पहले दिल्ली के लोगों का धन्यवाद करना चाहती हूँ जिन्होंने हमेशा हमारी सरकार पर अपना प्यार, अपना आशीर्वाद और अपना भरोसा बनाके रखा है। मैं व्यक्तिगत तौर पे दिल्ली के मुख्यमंत्री

[1] दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर-23266(1-3) पर उपलब्ध।

अरविन्द केजरीवाल जी का धन्यवाद करना चाहती हूँ, जिन्होंने मुझ पर भरोसा करके वित्त मंत्री के तौर पर दिल्ली विधान सभा में बजट प्रस्तुत करने का मौका दिया है। माननीय अध्यक्ष महोदय मैं आज सिर्फ केजरीवाल सरकार का 10वां बजट ही नहीं प्रस्तुत कर रही हूँ, लेकिन आज मैं इस सदन में पिछले 10 साल में दिल्ली की जो बदलती हुई तस्वीर है वो इस सदन के सामने रखूंगी। अध्यक्ष महोदय, 2013 में जब हम लोग राजनीति में आये ही थे तो मैं देखती थी कि दिल्ली के लोगों का राजनीति से, लोकतंत्र से भरोसा ही उठ गया था। वो अपनी वोट डालने जाते तो जरूर थे लेकिन ये सोचते थे कि आखिर इस वोट से होगा क्या। उन्होंने देखा था कि नेता आते हैं, नेता जाते हैं, सरकारें आती हैं, सरकारें जाती हैं लेकिन एक आम इंसान की जिंदगी में कोई सुधार नहीं आता। उसकी जिंदगी में दुख, परेशानी, संघर्ष बने ही रहते हैं। जब एक आम इंसान, एक आम परिवार को पहली तारीख को जब उनके हाथ में तनख्वाह आती है तो हर व्यक्ति यही सोचता था कि इससे एक महीने का खर्चा कैसे चलेगा। 25 तारीख तक आते-आते जब घर के सारे पैसे खत्म हो जाते थे तो गृहणी ये सोचती थी कि बिना किसी पैसे के आखिरी 5 दिन कैसे निकलेंगे। एक आम परिवार में जब कोई बीमार हो जाता था तो इलाज के लिए परिवार को प्राइवेट अस्पताल का मंहगा खर्च उठाना पड़ता था।, बिल भरने के लिए जेवर गिरवी रखने पड़ते थे, मकान गिरवी रखना पड़ता था। एक आम परिवार को अपने बच्चों को पढ़ाने में भी संघर्ष करना पड़ता

था। वो अपना पेट काटकर अपने बच्चे को मंहगे प्राइवेट स्कूल में भेजता था और इसके बावजूद भी पढ़ाई खत्म होने के बाद बच्चों को नौकरी नहीं मिलती थी। इन्हीं सब कारणों की वजह से एक आदमी का सिर्फ सरकारों से ही नहीं, अपनी वोट से भी भरोसा उठने लग गया था। ऐसे में दिल्ली के लोगों के लिए अरविन्द केजरीवाल जी एक उम्मीद की किरण बनकर आये। दिल्ली के लोगों ने उनकी सच्चाई पर भरोसा किया, उनकी ईमानदारी पर भरोसा किया और भारी बहुमत देकर उन्हें अपना मुख्यमंत्री बनाया। हम सभी जो सारे यहां पे इस सदन में हमारे सदस्य बैठे हैं हम सभी भगवान श्रीराम के जीवन से प्ररित हैं इसलिए हमने दिल्ली में राम राज्य के सपने को साकार करने का संकल्प लिया। रामचरितमानस में भी लिखा है कि

राम राज नभ गेस सुनु, सच राचर जग माहिं।

काल कर्म सुभाव गुन, कृत दुख काहु हि नाहिं।।

अर्थात श्री राज के राज्य में जड़, चेतन सारे जगत के काल, कर्म, स्वभाव और गुणों से उत्पन्न हुए दुख किसी को भी नहीं होते। और इसी राम राज्य के सपने को साकार करने के लिए हम पिछले 9 साल से दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। हमने 9 सालों में दिल्ली के हर इंसान की जिन्दगी को बेहतर बनाने का प्रयास किया है। हर परिवार को सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन देने का प्रयास किया है। अध्यक्ष महोदय मुझे पता है कि राम राज्य स्थापित करने

के सफर में हमें लम्बी दूरी तय करनी है। लेकिन आज मैं केजरीवाल सरकार का दसवां बजट पेश करते हुए ये बात दावे के साथ कह सकती हूँ कि पिछले 10 साल में दिल्ली के आम लोगों की जिन्दगी में आमूल-चूल परिवर्तन आया है। 2014से 2024 तक का ये सफर दिल्ली और दिल्लीवालों के लिए एक बदलाव का सफर रहा है। चाहे दिल्ली की बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था हो या फिर दोगुना बढ़ी हुई प्रतिव्यक्ति आय। चाहे बच्चों के बदले हुए सरकारी स्कूल हों या महिलाओं को टैंकर के लड़ाई झगड़े से आजादी। चाहे दिल्ली में बना सड़कों और फ्लाईओवरों का शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर हो, या एक गरीब परिवार को फ्री में मिलता हुआ अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक का इलाज। दिल्लीवालों ने 2014-15से आज 2024-25 तक निराशा से आशा तक का एक सफर तय किया है। जब हम दिल्ली के लोगों के बीच में जाते हैं अध्यक्ष महोदय हमें तो अपना रिपोर्ट कार्ड रोज ही मिलता है। चाहे वो बच्चों की, चाहे वो महिलाओं की, चाहे वो बुजुर्गों की मुस्कान से हो। लेकिन आज मैं इस सदन के सामने पिछले 10 साल में रामराज्य के प्रति दिल्ली के बढ़ते हुए कदमों का रिपोर्ट कार्ड भी रखूंगी। अध्यक्ष महोदय, रामायण में जब भी अयोध्या जी का वर्णन आता है तो कहा जाता है कि अयोध्या जैसा सुंदर और समृद्ध शहर पूरी दुनिया में नहीं था। आज मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जी के नेतृत्व में हम दिल्ली में भी समृद्धि लाने के लिए मेहनत कर रहे हैं। दिल्ली में राम राज्य के सफर में एक महत्वपूर्ण द्योतक रहा है दिल्ली शहर की समृद्धि। 2014-15 में

दिल्ली का जीएसडीपी 4 लाख 95 हजार करोड़ था और आज 10 साल के अंदर अरविन्द केजरीवाल जी नेतृत्व में ये लगभग ढाई गुना बढ़ गया है और वर्तमान कीमतों पर आज 11 लाख 8 हजार करोड़ हो गया है। 2014-15 में दिल्ली की प्रतिव्यक्ति आय 2 लाख 47 हजार रूपए थी और 2023-24 में वर्तमान कीमतों पर 4 लाख 62 हजार रूपए हो गयी है जो राष्ट्रीय औसत से लगभग ढाई गुना ज्यादा है। अध्यक्ष महोदय, मुझे ये बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि दिल्ली देश में एक करोड़ से अधिक आबादी वाले राज्यों में प्रतिव्यक्ति आय के मामले में पहले नंबर पर है।

पिछले 9 सालों में दिल्ली और दिल्लीवासियों की समृद्धि तो बढ़ी साथ ही दिल्ली सरकार की भी समृद्धि बढ़ी है। एक ईमानदार सरकार होने के कारण हमारे राजस्व में लगातार बढ़ोतरी हुई। 2014-15 में दिल्ली सरकार का बजट व्यय 30 हजार 940 करोड़ रूपए था और वित्त वर्ष 2024-25 में केजरीवाल सरकार के दसवें बजट के रूप में 76 हजार करोड़ रूपए का बजट आज इस विधान सभा में प्रस्तुत करती हूँ। देश के इतिहास में शायद ही ऐसी वृद्धि किसी भी और राज्य के बजट में हुई होगी जैसा केजरीवाल सरकार के अंदर हुई है। वर्ष 2014-15 में 7 हजार 430 करोड़ रूपए के पूंजीगत व्यय जो एक तरह से किसी भी राज्य के डेवलपमेंट का इंडीकेटर होता है जो कैपिटल एक्सपेंडिचर। 2014-15 में 7 हजार 430 करोड़ रूपए के पूंजीगत व्यय की तुलना में इस साल पूंजीगत व्यय 15 हजार 89 करोड़ रूपए हो गया है जो 2014-15 के दोगुने से भी

ज्यादा है। माननीय अध्यक्ष महोदय, ये बढ़ता हुआ बजट दिल्ली की ही समृद्धि का द्योतक है क्योंकि दिल्ली के 76 हजार करोड़ के इस बजट में केंद्र सरकार से केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के रूप में हमें एक पैसा भी नहीं मिलने वाला है।

अध्यक्ष महोदय, ऐसा कहते हैं कि राम राज्य में कोई गरीब नहीं था। हर परिवार समृद्ध था। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जी ये मानते हैं कि गरीबी दूर करने का एक ही रास्ता है और वो है हर बच्चे को अच्छी शिक्षा देना।

दिल्ली के लोगों ने 2015 में जब अरविन्द केजरीवाल जी को अपना मुख्यमंत्री चुना तो उन्होंने शिक्षा को अपना राजधर्म बनाया। और पिछले 9 सालों में अपने प्रयासों से दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन लेकर आये हैं।

मुझे याद है अरविन्द केजरीवाल जी के मुख्यमंत्री बनने से पहले दिल्ली के सरकारी स्कूलों का क्या हाल होता था। आप स्कूल के अंदर जाइये तो सबसे पहले टॉयलेट की बदबू आती थी ऐसे होते थे दिल्ली के सरकारी स्कूल। पीने का पानी नहीं होता था, खिड़कियां टूटी हुई होती थीं, लाइटें टूटी हुई होती थीं, क्लासरूम में डैस्क नहीं होता था, टीचर नहीं होते थे, ब्लैक बोर्ड नहीं होता था। जर्जर टूटी सीलन खाई दीवारों वाले अंधेरे क्लासरूम में ऐसा लगता था कि मानों बच्चों की शिक्षा ही कहीं गुम हो गई हो। कोई भी व्यक्ति अपने दिल पर पत्थर रखकर मजबूरी में अपने बच्चे को

सरकारी स्कूल में भेजता था और सोचता था कि काश मेरे पास थोड़े पैसे होते तो मैं अपने बच्चे को सरकारी स्कूल से निकाल के प्राइवेट स्कूल में डाल देता।

ऐसा लगता था कि तीन साल के बच्चे के हाथ की लकीर ही उसका भविष्य तय करती थी। अगर वो एक अमीर परिवार में पैदा होता और उसके माता–पिता एक मंहगे प्राइवेट स्कूल की भारी–भरकम फीस दे पाते तो उसे अच्छी शिक्षा मिलती। उसके बाद वो अच्छे कॉलेज में एडमिशन लेता और उसके बाद एक अच्छी पैकेज वाली नौकरी पाता। लेकिन अगर कोई गरीब घर में पैदा होता तो उसके माता–पिता को उसे मजबूरी में एक टूटे–फूटे सरकारी स्कूल में भेजना पड़ता। शायद वो अपनी स्कूली शिक्षा नहीं पूरी कर पाता। अगर पढ़ाई पूरी हो भी जाती तो सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का स्तर इतना खराब होने की वजह से उसे अच्छी नौकरी नहीं मिलती थी। उसे कहीं पे मैकेनिक का काम करना पड़ता था। किसी दुकान में छोटे–से हैल्पर का काम करना पड़ता था। किसी के घर में काम करना पड़ता था। ऐसे में अध्यक्ष महोदय ये तय था कि अमीर परिवार का बच्चा अमीर होगा और गरीब परिवार का बच्चा गरीब ही रहेगा। लेकिन ये तो राम राज्य के सपने के बिल्कुल ही विपरीत परिस्थिति थी।

लेकिन दिल्ली की इस 10 साल की बदलती हुई तस्वीर में अगर कोई एक सबसे बड़ा बदलाव हुआ है तो वो दिल्ली के सरकारी स्कूलों में हुआ है। केजरीवाल सरकार की शिक्षा क्रांति ने

दिल्ली सरकार के स्कूलों का काया पलट कर दिया। ये सब कुछ बदल गया है आज। आज एक गरीब परिवार का बच्चा, एक आम परिवार का बच्चा दिल्ली के सरकारी स्कूल पढ़कर किसी भी ऊंचाई को छू सकता है। जैसे हमारे स्कूल के इन बच्चों ने किया।

अध्यक्ष महोदय, दिल्ली सरकार में रोहिणी सेक्टर-23 के स्कूल में पढ़ी शिम्पी के पिताजी एक छोटी-सी फैक्ट्री में काम करते हैं। घर का खर्च चलाने में मदद करती थी शिम्पी और आस-पड़ोस के बच्चों का ट्यूशन पढ़ाती थी। अपने स्कूल के शिक्षकों की मदद से और बढ़ते हुए इस पढ़ाई के स्तर की वजह से सिम्पी ने आईआईटी जेईई का एग्जाम क्लीयर किया। आज वो आईआईटी जेईई में कैमिकल इंजीनियरिंग पढ़ रही है, यानि एक फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर की बेटी आने वाले समय में खुद एक फैक्ट्री की मैंनेजिंग डायरेक्टर बनेगी अध्यक्ष महोदय।

दिल्ली के नंदनगरी स्कूल में पढ़ने वाला हिमांशु भी बड़ी मुश्किल परिस्थिति में जी रहा था। जब वो 11वीं में पढ़ता था तो उसके पिताजी की मौत हो गई। अपना घर चलाने के लिए वो स्कूल के बाद मजदूरी भी करता था। सरकारी स्कूल में पढ़ाई का स्तर अच्छा होने से हिमांशु ने नीट का एग्जाम क्लीयर किया और आज वो दिल्ली के मोलाना आजाद मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस कर रहा है। तो आने वाले समय में एक गरीब परिवार का मजदूरी करने वाला बच्चा दिल्ली शहर का एक नामी और बड़ा डॉक्टर बनेगा। ये है अरविन्द केजरीवाल का शिक्षा का स्तर।

अध्यक्ष महोदय ये किसी चमत्कार से कम नहीं है। आज गरीब परिवार के बच्चे भी ऊंचाइयां छू रहे हैं। अगर मैं सिम्पी और हिमांशु जैसे सभी बच्चों की कहानी बताना शुरू करूं तो मुझे लगता है कि आपको ये विधान सभा का स्पेशल सेशन बुलाना पड़ेगा। क्योंकि सिर्फ एक साल यानि 2023-24 में दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले 2 हजार 121 बच्चों ने जेईई और नीट की परीक्षा क्लीयर की है। अब गरीब का बच्चा गरीब नहीं रहेगा वो डॉक्टर बनेगा, वो इंजीनियर बनेगा, वो अपना बिजनेस करेगा और मात्र एक पीढ़ी में अपने परिवार को गरीबी से बाहर निकाल देगा। अध्यक्ष महोदय, यही असली मायने में राम राज्य है।

अध्यक्ष महोदय, दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन लाने के लिए मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जी ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। इसमें सबसे पहला और महत्वपूर्ण था शिक्षा का बजट बढ़ाना। शिक्षा पहले ही दिन से हमारी सरकार की प्राथमिकता रही है और यही कारण है कि 2015 में सरकार आते ही हमने शिक्षा का बजट डबल कर दिया और लगातार 10 बार से कुल बजट का लगभग एक चौथाई हिस्सा हम शिक्षा पर ही खर्च करते हैं। 2014-15 के बजट में शिक्षा पर व्यय मात्र 6 हजार 554 करोड़ था और हमारी सरकार आज 2024-25 के इस बजट में शिक्षा पर 16 हजार 396 करोड़ रूपए का प्रावधान कर रही है।

मुख्यमंत्री जी हमेशा कहते हैं कि चाहे 2 रोड या फ्लाईओवर कम बन जायें, लेकिन शिक्षा के लिए पैसे की कभी कमी नहीं

होना चाहिए। और प्रभु श्री राम की ऐसी दिल्लीवासियों पर कृपा रही है कि हमारी सरकार में ना तो कभी शिक्षा के लिए पैसे की कमी रही और ना ही फ्लाईओवर और सड़कें बनाने के लिए पैसों की कमी रही।

अध्यक्ष महोदय, आजादी से लेकर 2014-15 तक की सरकारों में दिल्ली के सरकारी स्कूलों में मात्र 24 हजार कमरे ही हमारे बच्चों की पढ़ाई के लिए उपलब्ध थे, लेकिन सिर्फ 9 साल में अरविन्द केजरीवाल जी की सरकार ने 22 हजार 711 नए क्लासरूम बनाये हैं। जहां पहले बच्चे जमीन पर बैठते थे, वहीं आज उनके क्लासरूम में रंग बिरंगे डिजाइनर डैस्क हैं। जहां पहले लैब्स के नाम पर कुछ टूटे-फूटे बीकर्स और मकड़ी के जाले होते थे वहां आज हर सबजैक्ट फिजिक्स, कैमेस्ट्री, बायोलोजी, कम्पयूटर साईस के लिए अलग अलग अत्याधुनिक लैब हैं जहां पहले ब्लैक बोर्ड भी घिस घिस कर सफेद हो गया था, वहीं अब हर स्कूल में स्मार्ट क्लास रूम है। जिन स्कूलों में सीढ़ियां टूटी हुई मिलती थीं आज वहां बच्चों के लिए शानदार लिफ्ट है। आज दिल्ली सरकार के स्कूलों ने प्राइवेट स्कूलों को भी पीछे छोड़ दिया है। पहले टीन टिप्पर के टैंट वाले स्कूल आज टैलेंट वाले स्कूल में बदल गए।

2015 में हमारी सरकार बनने के बाद पहली बार किसी सरकार ने शिक्षकों को प्राथमिकता दी। केजरीवाल सरकार ने ये फैसला लिया कि हम अपने शिक्षकों को भारत और दुनिया की बैस्ट यूनिवर्सिटिज़ में ट्रेनिंग के लिए भेजेगें। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद

केजरीवाल जी का ये मानना था जब तक हम अपने टीचर्स और प्रिंसिपल्स को वर्ल्ड क्लास ट्रेनिंग नहीं देंगे तो वो हमारे बच्चों को वर्ल्ड क्लास शिक्षा कैसे देगें। हमने पिछले नौ सालों में 400 से ज्यादा दिल्ली के सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल्स को कैम्ब्रिज भेजा तकरीबन 950 टीचर्स को सिंगापुर के विख्यात नेशनल इंस्टीटयूट आफ एजुकेशन में ट्रेनिंग के लिए भेजा 1700 प्रिंसिपल्स को आईआईएम अहमदाबाद में लीडरशिप ट्रेनिंग के लिए भेजा और इस साल से दिल्ली नगर निगम के स्कूलों के प्रिंसिपल्स को भी हम आईआईएम अहमदाबाद टीचर ट्रेनिंग के लिए भेजा।

हमने पेरेंट्स को स्कूलों से जोड़ने का काम किया है। जो पेरेंट्स एक समय में सरकारी स्कूल में जाने से कतराते थे उन्हें स्कूल के गेट के अंदर नहीं घुसने नहीं दिया जाता था आज मैगा पीटीएम और स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के माध्यम से वो अपने बच्चों की शिक्षा में भागीदार बन रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, दिल्ली के बच्चों को वर्ल्ड क्लास शिक्षा देने के लिए केजरीवाल सरकार ने 2021-22 में Schools of Specilized Excellence की शुरूआत की थी इसके तहत stem, humanities, performing and visual arts and high end 21st century skills के 56 डोमेनस में 38 स्कूल कैम्पस आज पूरी दिल्ली में स्थापित किए गए हैं ।

2014 में जहां सरकारी स्कूल में अपने बच्चों को पढ़ाना किसी गरीब परिवार के लिए मजबूरी होती थी इस साल हमारे बीआर

अंबेडकर स्कूल Schools of Specilized Excellence की छह हजार सीटों पर एडमिशन के लिए एक लाख 40 हजार एप्लीकेशंस आए जिस अनुपात में SOSEs में एप्लीकेशंस आए हैं शायद उतना आईआईटी जेइ में भी नहीं आते जितना हमारे SOSEs में।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही हमारे तीन और Specialized Schools, Armed Forces Preparatory School, Delhi Sports School, और दिल्ली मॉडल virtual स्कूल है। ये हमारे लिए गर्व की बात है कि Armed Forces preparatory school के पहले ही बैच के 76 बच्चों में से 32 बच्चों ने यूपीएससी द्वारा आयोजित एनडीए की लिखित परीक्षा को पास कर लिया है।

शिक्षा के क्षेत्र में केजरीवाल सरकार का एक और महत्वपूर्ण कदम रहा है। स्कूलों में शिक्षकों और प्रिंसिपल्स की रिकार्ड भर्ती, 2014 तक दिल्ली सरकार के स्कूलों में 34 हजार 182 रेगुलर टीचर्स हुआ करते थे। आज दिल्ली सरकार के स्कूलों में 47 हजार 914 रेगुलर टीचर्स हैं और लगभग 7 हजार की भर्ती प्रक्रिया इस समय अभी चालू है। 2023 में पहली बार दिल्ली सरकार के स्कूलों में यूपीएससी के माध्यम से सीधा 324 प्रिंसिपल्स की नियुक्ति हुई जो अपने आप में एक रिकार्ड है साथ ही 389 वाईस प्रिंसिपल्स को भी प्रिंसिपल्स के रूप में प्रमोट किया गया। इन सब कदमों से सुनिश्चित हुआ कि दिल्ली सरकार के लगभग सभी स्कूलों में आज एक नियमित प्रिंसिपल है, एक स्कूल लीडर है।

वर्ल्ड क्लास बिल्डिंग, वर्ल्ड क्लास टीचर ट्रेनिंग,पेरेंट्स की भागीदारी, school of specialized excellenceus आज दिल्ली सरकार के स्कूलों को देश और दुनिया के सबसे शानदार स्कूलों के बराबर लाके खड़ा कर दिया है। पिछले आठ सालों से दिल्ली सरकार के स्कूलों के बोर्ड का रिजल्ट प्राईवेट स्कूलों से बेहतर आ रहा है और न सिर्फ इतना पिछले 3 सालों में 4लाख से ज्यादा बच्चों ने प्राईवेट स्कूलों को छोड़ कर दिल्ली सरकार के स्कूलों में एडमिशन लिया है।

अध्यक्ष महोदय, दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था की 10 सालों की बदलती तस्वीर सिर्फ स्कूलों तक सीमित नहीं है बल्कि ये शिक्षा क्रांति उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा संस्थानों तक भी पहुंची है। महोदय, 2014 तक उच्च शिक्षा के लिये दिल्ली सरकार की तीन यूनिवर्सिटिज़ अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी और गुरू गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी में छात्रों की संख्या 71हजार 416 थी। दिल्ली की 10 साल की इस बदलती हुई तस्वीर का ये एक महत्वपूर्ण द्योतक है कि इन यूनिवर्सिटिज़ में 20 हजार से ज्यादा सीटें बढ़ी हैं पिछले 10 साल में और आज यहां 93 हजार 880 स्टूडेंट्स पढ़ रहे हैं। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में भी केजरीवाल सरकार के प्रयासों के बदौलत 2014-15 में टेक्नीकल एजुकेशन यूनिवर्सिटिज़ में 12 हजार 204 की तुलना में 2023-23 में सीटों की संख्या 62 हजार हो गयी है यानि 40 हजार सीटें बढ़ी हैं। साथ ही हमारी सरकार ने 3 नई यूनिवर्सिटिज़ - दिल्ली स्किल्स एंड

एंत्रप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी, दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी और दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की भी शुरूआत की है।

तकनीकी और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में केजरीवाल सरकार ने न सिर्फ सीटों और कोर्सिज का विस्तार किया है बल्कि इंफ्रास्ट्रक्चर का भी एक बहुत व्यापक स्तर पे विस्तार हुआ है। 2016-17 में अम्बेडर यूनिवर्सिटी के दो नये कैम्पस कर्मपुरा और लोधी रोड़ में शुरू किये गये। 2017 में दिल्ली Delhi Technological University के पूर्वी दिल्ली कैम्पस की शुरूआत हुई साथ ही छमजं ji Subhash Universityof Technology में भी दो नए कैम्पस 2020 में जाफरपुर और गीता कालोनी में शुरू हुए और 2023 में केजरीवाल सरकार ने आईपी यूनिवर्सिटी के पूर्वी दिल्ली कैम्पस की भी शुरूआत की है।

दिल्ली की शिक्षा में दस साल में जो तस्वीर बदली है उसने ये दिखा दिया है कि अगर किसी सरकार की इच्छा शक्ति हो तो वो हर बच्चे को वर्ल्ड क्लास शिक्षा और एक बेहतरीन भविष्य दे सकता है लेकिन अध्यक्ष महोदय इस शिक्षा क्रांति को लाने में अगर किसी एक व्यक्ति की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रही तो वो हैं दिल्ली के शिक्षा क्रांति के जनक और मेरे बड़े भाई मनीष सिसौदिया जी। आज मैं आज इस सदन में मनीष जी के बच्चों के प्रति प्यार और शिक्षा के प्रति जज्बे को सलाम करती हूं क्योंकि शायद इस प्यार और इस जज्बे के बिना इतने कम समय में इतना बड़ा बदलाव संभव नहीं है। अध्यक्ष महोदय, राम राज्य का दूसरा सिद्धांत है हर

बीमार का इलाज, तुलसी दास जी के रामचरित मानस में एक चौपाई है-

अल्प मृत्यु नहीं कव निउ पीरा।
सब सुंदर सब बिरूज सरीरा।
नहिं दरिद्र कोउ दुखी न दीना।
नहीं कोउ अबुध न लच्छन हीना।।

अर्थात- प्रभु राम के राज्य में सबके स्वस्थ और सेहतमंद रहने की व्यवस्था है किसी की भी अल्पायु में मृत्यु नहीं होती, ना किसी को कोई दुख होता है। सभी सुंदर और निरोग हैं ना कोई दरिद्र है, ना दुखी है और ना गरीब है। अध्यक्ष महोदय, ये हमारे देश का दुर्भाग्य है कि हम इस परिकल्पना से बहुत दूर हैं 2014 तक दिल्ली सरकार के भी सरकारी अस्पतालों का बहुत बुरा हाल हुआ करता था। अस्पतालों की गंदगी देखकर भरोसा नहीं होता था कि यहां पर इलाज भी हो सकता है। ऐसा लगता था वहां की गंदगीं देखकर कि एक बीमारी लेकर जाएगें तो वहां से चार बीमारियां और लेकर वापिस आ जाएगें। आप सब याद कीजिए सरकारी अस्पताल का वो दृश्य गंदे फर्श, टूटे और बदबूदार टॉयलेट, पीली चद्दरें, ओपीडी काउंटर पर भीड़ और जवाब देने वाला कोई नहीं। दवाई के काउंटर पर लंबी लंबी लाइनें पर कैमिस्ट नहीं, सरकारी हैल्थ केयर सिस्टम खुद ही बीमार था अध्यक्ष महोदय। किसी के पास थोड़े से भी पैसे होते थे तो वो सोचता था कि अपने परिवार के सदस्य का

इलाज मैं प्राइवेट अस्पताल में करा लूंगा लेकिन एक सदस्य की एक बीमारी के इलाज में आने वाले खर्च से ही परिवार की सारी जमापूंजी खत्म हो जाती थी। यहां तक की घर, मकान, जेवर तक गिरवी रखने की नौबत आ जाती थी। अध्यक्ष महोदय, ये कैसी अमानवीयता है जो किसी इंसान को इतना बेबस कर देती थी कि वह अपने पिता की जान या अपने पुरखों की जायदाद में से सिर्फ किसी एक को बचाने के लिए मजबूर हो जाता था।

एनएसएसओ के 2014 के रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ एक सामान्य बीमारी के हॉस्पिटलाइजेशन होने पर दिल्ली के किसी भी परिवार को 38 हजार रूपये तक का खर्च उठाना पड़ता था 2014 में दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 2 लाख 47 हजार रूपये थी यानि सिर्फ एक सामान्य बीमारी का एक सामान्य हास्पिटलाइजेशन होने पर परिवार के सालाना आय का 15 परसेंट हिस्सा खर्च हो जाता था। और अगर एक बड़ी बीमारी हो जाती तो उसके लाखों के इलाज में परिवार कर्ज के तले दब जाता था ।

लेकिन केजरीवाल सरकार ने ये प्रण लिया कि दिल्ली में रहने वाले हर व्यक्ति को हम वर्ल्ड क्लास स्वास्थ्य सुविधाएं देंगे चाहे वो अमीर हो या वो गरीब हो। मुझे बहुत गर्व है कि केजरीवाल सरकार के आने के नौ साल में हमारी दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था ने मजबूरी से मजबूती तक और निराशा से विश्वास तक का सफर तय किया है।

आज दिल्ली सरकार के अंतर्गत 38 अस्पताल हैं जहां रोज 81 हजार से ज्यादा ओपीडी मरीजों और हर महीने 65 हजार से ज्यादा आईपीडी मरीजों का इलाज बिल्कुल फ्री होता है, 2014 में दिल्ली सरकारी अस्पतालों में 9 हजार 523 बेड थे। आज दिल्ली सरकार के अस्पतालों में 13 हजार 708 बेड हैं और अब हमारे अस्पताल डेढ गुणा ज्यादा मरीजों की देखभाल कर पाते हैं। हमने हर अस्पताल की ओपीडी काउंटर की टाइमिंग बढ़ाई हर काउंटर पर डेटा एंट्री ऑपरेटर लगाए मरीजों की देखरेख के अंतर्राष्ट्रीय मानकों से सीख कर हर अस्पताल में साफ सफाई, सैनिटेशन और सुविधाओं की बेहतरी पर नए सिरे से काम हुआ। एक एसेंशियल ड्रग लिस्ट तैयार करके हर अस्पताल में इमरजैंसी मैडिसिन के procurement को भी सख्ती से लागू किया गया ताकि किसी अस्पलात में दवाइयों की कमी ना हो।

महोदय, 2017 में केजरीवाल सरकार ने नई पहल की शुरूआत की इसके तहत अगर एक मरीज को दिल्ली सरकार के किसी अस्पताल में सर्जरी के लिए एक महीने से ज्यादा की तारीख मिलती है तो वो किसी भी प्राइवेट अस्पताल में जाकर अपनी सर्जरी करवा सकता है और उसका सारा खर्च दिल्ली सरकार देती है, केजरीवाल सरकार की इस पहल के अंतर्गत अब लोग 1580 अलग अलग प्रकार की सर्जरी प्राइवेट अस्पताल में बिल्कुल फ्री करवा सकते हैं।

2014 तक दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में diagnostic test करवाने के लिए भी लोगों को महीनों लंबा इंतजार करना पड़ता था। लेकिन आज केजरीवाल सरकार ने इस जर्जर व्यवस्था को बदल दिया

है अब ना केवल अस्पतालों में रेगूलर टैस्ट होते हैं बल्कि बिल्कुल फ्री भी होते हैं। अगर सरकारी अस्पताल व्यस्त हों तो सरकारी निजी सैंटर्स और अस्पतालों के साथ टैस्ट का प्रबंध करती है free diagnostic test के शुरू होने के बाद से अब तक दिल्ली के लोगों ने पांच लाख 66 हजार से ज्यादा टैस्ट करवाए हैं।

सिर्फ अस्पताल के अंदर नहीं अस्पताल तक पहुंचने के संघर्ष में भी केजरीवाल सरकार परिवारों के साथ खड़ी रही है, 2014 में सरकार के पास मौजूद लगभग 155 कैटस एंबुलैंस के मुकाबले आज दिल्ली में 380 कैटस एंबुलैंस हैं। इस फ्लीट को हर साल बढ़ाकर हम इस स्तर पर ले आएं हैं कि हमारी एंबुलेंस का ऐवरेज रिस्पोंस टाइम दस साल में 55 मिनट से घटकर मात्र 15 मिनट रह गया है।

अध्यक्ष महोदय, हर व्यक्ति की जान बचाना ही राम राज्य है। जहां हर जिंदगी अनमोल है और उसे बचाने का हर संभव प्रयास होता है वो ही रामराज्य है लेकिन हम सब जानते हैं कि कुछ साल पहले तक जब दिल्ली में रोड़ पर कोई एक्सीडेंट होता था तो घायल की छटपटाते हुए मौत हो जाती थी। लोग एक्सीडेंट विक्टम को अस्पताल ले जाने से डरते थे उनको लगता था कि अस्पताल उनसे खर्चा मांगेगा और वो केस में पँस जाएगें। इसी वजह से हमने दिल्ली में फरिश्ते स्कीम की शुरूआत करी इसके तहत अगर आप किसी एक्सीडेंट विक्टम को अस्पताल लेकर जाते हैं चाहे वो सरकारी हो, या प्राइवेट वहां इलाज का सारा खर्च दिल्ली सरकार उठाती है। एक्सीडेंट विक्टम या उसे अस्पताल ले जाने वाले को एक पैसा भी

खर्च करने की जरूरत नहीं होती और अब तक इस स्कीम में हम 22 हजार लोगों की जान बचा चुके हैं।

इनमें से एक सूरज कुमार है। सूरज कुमार का मयूर विहार फेज वन में एक भयंकर एक्सीडेंट हुआ उन्हें वहां पे पास में एक बड़े प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। लंबा इलाज चला, कई ऑपरेशन हुए। ट्रीटमेंट का बिल 36 लाख रूपये आया। सूरज कुमार एक फैक्ट्री में काम करने वाला कुछ हजार रूपये कमााने वाला एक आम मजदूर था। वो अपनी पूरी जिंदगी की जमा पूंजी भी लगा देता तो इतना बड़ा बिल नहीं चुका सकता था लेकिन फरिश्ते योजना के तहत सरकार ने उसके इलाज का पूरा खर्च उठाया। सूरज को एक पैसा भी नहीं खर्च करना पड़ा ये है अरविंद केजरीवाल की सरकार।

अध्यक्ष महोदय, जिस तरह एक बड़ी बीमारी या बड़ा एक्सीडेंट परिवार को गरीबी में धकेल देती थी उस तरह से छोटी से छोटी बीमारी भी सामान्य परिवार का महीने का बजट बिगाड़ देती थी। अगर किसी को परिवार में बुखार हो जाए और वो किसी प्राइवेट डाक्टर के पास जाता था तो डाक्टर सबसे पहले तो 500 रूपये की फीस लेता था उसके बाद वो एक पर्ची पे लंबी सी दवाइयों की लिस्ट लिख देता था जो 500 या 1000 रूपये की आती थी साथ में दो तीन टैस्ट लिख देता था जो 500 रूपये के होते थे यानि एक परिवार के सदस्य के एक सामान्य बुखार में दो हजार रूपये तक का खर्चा परिवार को आ जाता था तो अगर एक परिवार की प्रति माह आय 25 हजार रूपये, तीस हजार रूपये है तो वो इस दो

हजार के खर्चे से भी कतराता था और इसका खामियाजा सबसे ज्यादा महिलाएं भुगतती थी क्योंकि महीने का खर्च चलाने के लिए, पैसे बचाने के लिए वो बीमार होने पर भी डॉक्टर के पास नहीं जाती थीं और यही कारण था कि कुछ सालों में उनकी छोटी-छोटी बीमारियां बहुत बड़ी-बड़ी स्वास्थ्य की समस्याएं बन जाती थीं।

लेकिन मुझे इस बात पर गर्व है कि केजरीवाल सरकार ने इस देश को मोहल्ला क्लीनिक का मॉडल दिया है। एक ऐसा मॉडल जहां आपके गली-मोहल्ला में, आपके घर के पास ही एसी क्लीनिक में एक एमबीबीएस डॉक्टर बैठता है। वहां आपका इलाज भी फ्री है, आपकी दवाइयां भी फ्री हैं और आपके टेस्ट भी बिलकुल फ्री होते हैं ये है अरविंद केजरीवाल की सरकार।

9 सालों में स्वास्थ्य को अपनी प्राथमिकता बनाए रखने के बाद आज मैं गर्व से इस बात को कह सकती हूं कि राम राज्य को साकार करने के प्रयास में हमने दिल्ली में 530 मोहल्ला क्लीनिक खोले हैं जहां रोजाना 64 हजार लोगों को मुफ्त में दवाई, इलाज और टैस्ट मिलता है। अब तक, जब से मोहल्ला क्लीनिक्स की शुरुआत हुई है अब तक मोहल्ला क्लीनिक में 7 करोड़ से भी ज्यादा ओपीडी हो चुकी हैं। मोहल्ला क्लीनिक के मॉडल को देखने के लिए देश-विदेश से लोग दिल्ली आए हैं चाहे वो तेलंगाना, पंजाब या तमिलनाडू के मुख्यमंत्री हों या युनाइटेड नेशंस के दो पूर्व सेक्रेटरी जनरल कोफी अन्नान और बानकी मून हों। शायद ही कोई

ऐसा हेल्थ केयर मॉडल होगा जिसे देश-विदेश में इतनी तारीफ मिली होगी।

लेकिन दिल्ली की स्वास्थ्य क्रांति का जिक्र एक नाम के बिना अधूरा रहेगा और वो हैं मेरे बड़े भाई सत्येन्द्र जैन जी। जिस तरह रामभक्त हनुमान जी आपदा की घड़ी में संजीवनी का पर्वत ही उखाड़कर ले आए थे उसी तरह सत्येन्द्र जैन जी ने दिल्ली की चरमराती हुई स्वास्थ्य व्यवस्था को पुनर्जीवित किया है। मैं सभी दिल्ली वासियों की तरफ से आज सत्येन्द्र जैन जी का तहेदिल से धन्यवाद करती हूं।

रामराज्य का अगला महत्वपूर्ण सिद्धांत है महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान। जब से अरविंद केजरीवाल जी दिल्ली के मुख्यमंत्री बने हैं उन्होंने हर तबके के लोगों के लिए काम किया है लेकिन अगर अरविंद केजरीवाल जी ने किसी के लिए सबसे ज्यादा काम किया है तो वो दिल्ली की महिलाओं के लिए किया है अपनी माताओं और बहनों के लिए किया है। एक महिला होने के नाते मुझे इस बात पर गर्व है कि जो महिलाएं सदियों से अपनी जरूरतों को सबसे पीछे रखती आई हैं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने उनकी जरूरतों को सबसे आगे रखा है ये है अरविंद केजरीवाल की सरकार। आज जब केजरीवाल सरकार का दसवां बजट पेश हो रहा है तो मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि 2014 और 2024 की तुलना करें तो दिल्ली की महिलाओं की जिंदगी में एक बहुत बड़ा

बदलाव आया है। सरकार ने उनकी रोजमर्रा की परेशानियों को समझा और उन्हें सुलझाकर उनको एक बेहतर जिंदगी देने का प्रयास किया।

चाहे वो फ्री बिजली पानी देकर महंगाई के इस दौर में महिलाओं के घर-खर्चे की चिंता दूर करना हो या फिर बच्चों को शानदार वर्ल्डक्लास शिक्षा देकर उनके सपनों को पूरा करने की जिम्मेदारी लेनी हो। चाहे पानी के लिए टैंकरों के पीछे घंटों लंबी लाइनों से आजादी दिलाना हो या शानदार मोहल्ला क्लीनिक या अस्पतालों के जरिये उनका स्वास्थ्य का ख्याल रखना है या फिर बुजुर्ग माताओं को तीर्थ यात्राओं पर भेजकर दशकों से उनके मन में तीर्थ पर जाने की ख्वाहिश पूरी करनी हो अरविंद केजरीवाल जी ने पिछले 9 साल में ये सब किया है।

अध्यक्ष महोदय, जब 2015 में हमारी सरकार बनी थी तो मैं दिल्ली सरकार के एक गर्ल्स स्कूल में गई थी और वहां पर मैंने जो लड़कियां बैठी थी उनसे पूछा कि उनमें से कितनों के भाई प्राइवेट स्कूल में पढ़ते हैं। आपको अचंभा होगा ये सुनकर कि आलमोस्ट 95 परसेंट लड़कियों ने अपना हाथ उठा दिया। इसका क्या मतलब था, इसका मतलब था कि अगर एक परिवार के पास थोड़े से भी पैसे होते थे तो वो अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा के लिए प्राइवेट स्कूल में भेजते थे और अपनी बेटियों को नजरअंदाज करके जर्जर सरकारी स्कूलों की ओर धकेल देते थे लेकिन आज उन्हीं दिल्ली सरकार के वर्ल्ड क्लास स्कूलों में दिल्ली की लड़कियों को शानदार शिक्षा मिल रही है। हम अपने स्कूल में 9 लाख से अधिक

लड़कियों को पढ़ा रहे हैं और इस साल आपको यह जानकर गर्व होगा कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों में से 933 लड़कियों ने नीट का और 123 लड़कियों ने जेई की परीक्षा पास करी। आज दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली लड़कियां डॉक्टर बन रही हैं, इंजीनियर बन रही हैं, बड़ी-बड़ी युनिवर्सिटीज में एडमीशन ले रही हैं और यहां तक की खुद का बिजनस शुरु करके और महिलाओं को रोजगार भी दे रही हैं यहां तक पहुंची हैं हमारी दिल्ली के सरकारी स्कूलों की बेटियां। महोदय, 2014-15 में एक आम परिवार की लड़की जब अपनी पढ़ाई-लिखाई के लिए कालेज जाना चाहती थी तो मां-बाप इसलिए मना कर देते थे क्योंकि आने-जाने में खर्च ही बहुत ज्यादा होता था। बहुत सी महिलाएं सिर्फ इसलिए काम करने नहीं जाती थी क्योकि जितनी तनख्वाह मिलती थी उसका एक बड़ा हिस्सा आने-जाने के किराये में चला जाता था। सामाज और अर्थव्यवस्था में महिलाओं का योगदान बढ़े इसके लिए देश के इतिहास में पहली बार दिल्ली में महिलाओं के लिए बस यात्रा बिलकुल फ्री कर दी गई ताकि एक भी महिला को दिल्ली में कहीं भी आना-जाना हो तो उसे पैसों की चिंता न करना पड़े और अपने भाई अरविंद केजरीवाल जी से मिले पिंक टिकट के साथ वो बेझिझक यात्रा कर सके। अब किसी महिला को घर से बाहर निकलने से पहले पैसे के लिए किसी के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ता।

पिछले सालों में लगातार महिलाओं की फ्री बस यात्रा की संख्या बढ़ रही है। 2020-21 में पिंक टिकट के साथ 17 करोड़ 70 लाख बार महिलाओं ने फ्री बस यात्रा की। जो संख्या 2022-23 में बढ़कर 40 करोड़ 20 लाख हो चुकी है यानी हर रोज लगभग 11 लाख महिलाएं हमारी बसों में फ्री सफर कर रही हैं। 2019 से शुरु होकर अब तक मात्र 5 साल में 153 करोड़ बार महिलाओं ने फ्री में बस यात्रा की है।

अध्यक्ष महोदय, लॉ एंड आर्डर केजरीवाल सरकार के अंतर्गत नहीं आता लेकिन फिर भी एक बड़े भाई का धर्म निभाते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने दिल्ली की सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए कई प्रयास किये। मुख्यमंत्री सीसीटीवी योजना के तहत आज दिल्ली में 2 लाख 60 हजार से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। फोर्ब्स इंडिया की 2021 की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली शहर के हर स्कवेयर माइल में 1820 से अधिक कैमरे लगाए गए हैं। अब सीसीटी सर्विलेंस पर स्कवेयर माइल के आंकड़े में दिल्ली ने न्यूयार्क और लंदन को भी पीछे छोड़ दिया है ये है ये है अरविंद केजरीवाल की सरकार।

सफेटीपिन नामक एक संस्था की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में 2014 में लगभग 7500 डार्कस्पॉट होते थे जहां अंधेरे की वजह से महिलाएं गुजर भी नहीं पाती थीं। इस डर को खत्म करने के लिए केजरीवाल सरकार ने सड़कों को बड़े स्तर पर रौशन किया। 2014 तक पीडब्लूडी की 1400 किलोमीटर की सड़कों पर 66000 लाइटें

थीं जो कि आज बढ़कर 87000 हो गई हैं यानी हर किलोमीटर पर 62 से ज्यादा लाइटें हैं। कालोनियों के अंदर भी मुख्यमंत्री स्ट्रीटलाइट योजना के तहत 2 लाख 80 हजार एलईडी स्ट्रीट लाइट्स लगाई जा चुकी हैं।

अध्यक्ष महोदय, हमारे परिवारों में जब भी कोई बेटी या बहन ससुराल से आती है तो उसके बड़े भाई या पिताजी उसके हाथ में कुछ पैसे थमा देते हैं क्योंकि वो चाहते हैं कि उनकी बहन या बेटी को अपनी जरूरतों के लिए किसी से कुछ मांगना न पड़े और आज दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी एक बड़े बेटे का फर्ज निभाते हुए 2024-25 में एक नई क्रांतिकारी योजना लेकर आ रहे हैं। ये शायद 2024-25 के बजट का सबसे बड़ा कदम है, इस योजना का नाम है मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना और इसके तहत 18 साल की उम्र से ज्यादा की हर महिला को 1000 रुपये प्रतिमाह की सम्मान राशि मिलेगी। तो चाहे कालेज में पढ़ने वाली किसी बिटिया को एक्स्ट्रा किताबों की जरूरत हो, सरकारी नौकरी की तैयार कर रही किसी बेटी को कोचिंग की जरूरत हो, या एक घर में रहने वाली महिला को सिनेमा हाल में मूवी देखने की इच्छा हो अब अपने व्यक्तिगत खर्चे के लिए उसे किसी के सामने हाथ नहीं फैलाने पड़ेंगे क्योंकि उनके भाई दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हर महीने 1000 रुपये दिये हैं।

अध्यक्ष महोदय, हमारे शास्त्रों में लिखा है ''जहां महिलाओं की पूजा होती है सम्मान होता है वहां देवता निवास करते हैं और जहां

महिलाओं का सम्मान नहीं होता वहां किये गये सारे अच्छे काम भी निष्फल हो जाते हैं"। मुझे भरोसा है कि दिल्ली में हो रहे महिला सुरक्षा और सम्मान के इन प्रयासों से भगवान श्रीराम का आर्शीवाद सभी दिल्ली वासियों को जरूर मिलेगा।

अध्यक्ष महोदय, उम्र के एक पड़ाव पर आकर हर बुजुर्ग सोचता है कि तीर्थयात्रा कर आउं भगवान के दर्शन कर आउं लेकिन कई बार मन में इच्छा होने के बावजूद भी वो जा नहीं पाते तीर्थयात्रा कर नहीं पाते। कभी पैसे की कमी होती है, कभी कोई साथ देने वाला नहीं होता, कभी कोई इंतजाम करने वाला नहीं होता लेकिन ये दिल्ली के लोगों का सौभाग्य है कि 2015 में अरविंद केजरीवाल जी के रूप में उनको सिर्फ एक मुख्यमंत्री नहीं मिला उनको अपने परिवार का सबसे बड़ा बेटा मिला है। एक ऐसा बेटा जिसने दिल्ली के हर बुजुर्ग को तीर्थयात्रा करवाने की जिम्मेदारी ली है इसलिए 2019 में मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना की शुरुआत हुई जिसके तहत हमारी तीर्थयात्रा की ट्रेनें अयोध्या जी, मथुरा, वृंदावन, रामेश्वरम, जगन्नाथपुरी, द्वारकाधीश, तिरुपति बालाजी इत्यादि जगह पर जाती हैं।

तीर्थयात्रा पर जाने के लिए बुजुर्गों को सिर्फ एक फार्म भरना पड़ता है और वो अपने साथ एक अटेंडेंट को लेकर जा सकते हैं बाकी सारा इंतजाम चाहे वो एसी ट्रेन का हो, लोकल टूअर का हो, खाने-पीरे की व्यवस्था का हो, जरूरत के सामान का हो वो दिल्ली सरकार करती है। आज मैं ये बात गर्व के साथ कह सकती हूं कि दिल्ली में मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना के तहत 2019 से आज तक

92 ट्रेनों के माध्यम से 87 हजार से ज्यादा बुजुर्ग तीर्थयात्रा कर चुके हैं। आने वाले साल में भी हम इस योजना के लिए 80 करोड़ रुपये का प्रावधान कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, रामायण की शायद सबसे मार्मिक कहानी श्रवण कुमार की है जिसने अपने नेत्रहीन माता-पिता को अपने कंधे पर बिठाकर तीर्थयात्रा करवाई थी। ये कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि आज के इस आधुनिक युग में अगर कोई श्रवण कुमार है तो वो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हैं।

अध्यक्ष महोदय, कहते हैं असली रामराज्य वहां भूखा न कोई सोये जहां। इस सिद्धांत को यथार्थ करने के लिए हमने कई प्रयास किये।

दिल्ली में 10 हजार 897 आंगनवाड़ियां हैं जिनके माध्यम से हम 8 लाख महिलाओं और बच्चों की पोषण की व्यवस्था करते हैं। रोज 3 से 6 साल के 1 लाख 80 हजार बच्चों को पोष्टिक गर्मा-गर्म खाना मिलता है। 3 साल तक के 3 लाख 40 हजार बच्चों को पंजीरीनुमा न्यूट्रिशियनल सप्लीमेंट और 1 लाख 20 हजार गर्भवती और लेक्टेटिंग माताओं को न्यूट्रिशियनल सप्लीमेंट दिया जाता है। ये सब करने के लिए हमने दिल्ली में 11 शानदार वर्ल्ड क्लास किचन बनाए हैं साथ ही देश के टॉप nutritionists से बच्चों के लिए खाने की मेन्यू तैयार करवाई गई है जिससे बच्चों के लिए ज्वार,

बाजरा, रागी, राजमा, छोले, दाल जैसी हाई प्रोटीन चीजों से उनके पसंद के आहार बनाए जा सकें।

साथ ही दिल्ली में मिडडेमील योजना के तहत हम रोजाना दिल्ली सरकार और एमसीडी के स्कूलों में 20 लाख से अधिक बच्चों को पोष्टिक आहार उपलब्ध करवाते हैं। आंगनवाड़ियों और स्कूलों के इन प्रयासों से दिल्ली में कुपोषण बहुत कम हुआ है। 2014 में दिल्ली में severe और moderate malnutrition से प्रभावित तकरीबन 2 लाख बच्चे थे और आज ये संख्या 90 परसेंट घटकर मात्र 16,814 हो गये हैं।

महोदय, इसी तरह केजरीवाल सरकार डूसिब के 198 सेल्टर होम्स में 17 हजार बेघर लोगों के लिए भी पोष्टिक भोजन की व्यवस्था करती है। सर्दियों में यह संख्या 20 हजार से भी ज्यादा हो जाती है।

2024-25 में पोषण से जुड़ी इन सभी योजनाओं के लिए हमने 664 करोड़ रुपयों का प्रावधान किया है।

अध्यक्ष महोदय, शहीदों के सम्मान से बड़ा पुण्य का काम किसी व्यक्ति या सरकार का नहीं होता। केजरीवाल सरकार देश की पहली ऐसी सरकार है जो शहीदों के सम्मान में उनके परिवारों को 1 करोड़ की सम्मान राशि देती है। सरकार में आते ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने देश की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवाने

वाले शहीदों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये की सम्मान राशि देनी शुरु करी।

महोदय, आज मैं इस सदन के समक्ष उन कुछ जांबांजों की कहानी साझा करना चाहती हूं। द्वारका निवासी मेजर रघुनाथ भारतीय सेना की तीसरी बटालियन पैराशूट रेजीमेंट में थे। संभावित घुसपैठ के बाद खूफिया जानकारी के आधार पर 5 मई, 2022 को सुखदार जम्मू कश्मीर में उन्होंने एक अभियान शुरु किया। आज वहां लाईन आफ कंट्रोल के पास एक सैन्य ऑपरेशन में वो शहीद हो गये।

नांगलोई निवासी श्री दिनेश कुमार सीआरपीएफ के 205 कोबरा बटालियन में बतौर इंस्पेक्टर नियुक्त थे। 2013 में छतीसगढ़ में एक आईईडी ब्लास्ट में वे गंभीर रूप से घायल हो गये, लंबे समय तक बीमार रहे। 2017 में उनका निधन हो गया ।

अध्यक्ष महोदय, फायर मैन प्रवीण कुमार, भोरगढ़ फायर स्टेशन में तैनात थे। उसी दौरान सीआईएस्फ़ कैंप के पास फैक्ट्री में आग लगने की घटना सामने आई। प्रवीण कुमार ने जांबाजी के साथ आग बुझाई लेकिन वो स्वयं झुलस गये और उसके बाद septic shock के कारण इलाज के दौरान वे शहीद हो गये।

दिनेश कुमार, मेजर रघुनाथ, प्रवीण कुमार सहित 35 शहीदों को केजरीवाल सरकार ने पिछले 9 सालों में 1 करोड़ रूपये की सम्मान राशि दी है। सिर्फ जांबाज सेनानियों के परिवारों को नहीं, कोविड19 की महामारी के दौरान 95 फ्रंट लाईन वर्कर्स जो दिल्ली वालों की

जान बचाते हुए शहीद हुए, उनके परिवारों को भी केजरीवाल सरकार ने एक एक करोड़ रूपये की सम्मान राशि दी है।

अध्यक्ष महोदय, दिल्ली में ऐसे जांबाज पहले भी थे लेकिन आज तक किसी ने उन्हें पहचान नहीं दी, उनके परिवार को सम्मान नहीं दिया, लेकिन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने देश की सेवा कर रहे दिल्ली के जांबाजों को ये भरोसा दिया है कि भगवान न करे कि अगर मुझे अपनी ड्यूटी करते वक्त कुछ हो गया तो मेरे मुख्यमंत्री मेरे घर का, मेरे परिवार का ख्याल रखेंगे।

राम राज्य का अगला सिद्धांत है कि किसी के साथ अन्याय न हो।

रामायण में कहा गया है कि प्रभु श्री राम के राज्य में हर इंसान, पशु, और जीव को न्याय स्वयं भगवान राम के दरबार से ही मिलता था, प्रभु श्रीराम के दरबार में हमेशा सभी के लिये द्वार खुले रहते थे ताकि वे अन्याय से अपनी प्रजा की रक्षा कर सके। लेकिन आज के आधुनिक युग में कोर्ट में और न्याय की उम्मीद में लेकर जाते हुए लोगों को सालों तक इंतजार करना पड़ता है। Judicial infrastructure और जजिज़ की कमी होने के कारण देशभर में लगभग 5 करोड़ कोर्ट केस लंबित हैं जिस कारण लोगों को न्याय की आस में सालों तक इंतजार करना पड़ता है। अंग्रेजी में एक कहावत है 'justice delayed is justice denied' यानि न्याय का समय पर न मिलना अपने आप में ही एक अन्याय है।

लेकिन दिल्ली के लोगों को समय पर न्याय मिले, इसके लिए केजरीवाल सरकार ने कोई कमी नहीं छोड़ी है। 2014-15 में न्याय व्यवस्था के लिए कुल बजट मात्र 760 करोड़ होता था। केजरीवाल सरकार ने न्याय व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए साल दर साल उस बजट को बढ़ाया और मुझे यह कहते हुए गर्व है कि आज ये 4 गुणा बढ़कर 3 हजार 98 करोड़ रूपये हो गया है।

इसी बढ़ते हुए बजट की बदौलत दिल्ली में कोर्ट रूम्स की संख्या 2014 में 512 से बढ़कर आज 2024 में 749 तक पहुंच गयी है। साथ ही दिल्ली में जज़ों की संख्या 2014 में 526 से लेकर आज 2024 में 840 तक पहुंच गयी है।

2024-25 में केजरीवाल सरकार रोहिणी, कड़कड़डूमा, शास्त्री पार्क और राउज एवेन्यू में 4 शानदार कोर्ट कम्प्लेक्सिज़ का निर्माण शुरू करवा रही है। केजरीवाल सरकार के 10वें बजट में हम दिल्ली को ढाई सौ नये कोर्ट रूम्स का तोहफा दे रहे हैं कि दिल्ली वालों को न्याय मिलने में कोई दिक्कत न हो।

एक मजबूत लीगल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के साथ साथ केजरीवाल सरकार लोगों को कोर्ट के केस लड़ने के लिये वकील भी उपलब्ध करवाती है। अक्सर एक आम आदमी महंगे वकीलों का खर्चा नहीं उठा पाता जिससे या तो वो केस लड़ नहीं पता, या केस वापस लेने को मजबूर हो जाता है। लेकिन दिल्ली सरकार Delhi State Legal Services Authority के माध्यम से जरूरतमंदों को बिना किसी

खर्च के वकील मुहैया करवाती है ताकि वह अपना पक्ष कोर्ट में रख सकें और न्याय की राह पर पैसे की कमी एक बाधा न बने। डीएसएलएसए के माध्यम से 2016 में सिर्फ 33 हजार लोगों को फ्री लीगल सर्विसिज़ मिली थीं लेकिन मुझे खुशी है इस बात की कि अब ये आंकड़ा लगभग 4 गुणा हो गया है और 2022-23 में डीएसएलएसए के माध्यम से एक लाख 25 हजार लोगों को दिल्ली सरकार की तरफ से फ्री लीगल सर्विसिज़ मिली हैं।

केजरीवाल सरकार के आने से पहले एक आम आदमी को सरकारी दफ्तरों में लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ता था। एक छोटे से डाक्यूमेंट के लिये धक्के खाने पड़ते थे, लाईनों में खड़ा रहना पड़ता था, सरकारी दफ्तरों में बैठे कर्मचारियों की उपेक्षा झेलनी पड़ती थी और हर काम के लिये रिश्वत देनी पड़ती थी। लेकिन हमने डोर स्टेप डिलीवरी और सर्विसिज़ के माध्यम से दिल्ली वालों को सरकारी दफ्तरों में हो रहे इस अन्याय से बिल्कुल मुक्त करा दिया।

अब पहले की तरह किसी को भी सरकारी डाक्यूमेंट्स बनवाने के लिये लंबी लाईनों में नहीं लगना पड़ता, या सरकारी दफ्तरों में धक्के नहीं खाने पड़ते हैं, या किसी को रिश्वत नहीं देनी पड़ती है चाहे ड्राईविंग लाईसेंस बनवाना हो, इनकम सर्टिफिकेट बनवाना हो, शादी का रजिस्ट्रेशन करवाना हो, बस 1076 हेल्पलाईन पर आपको एक कॉल करना है सरकार आपके घर आकर काम करवाती है। मुझे ये बताते हुए खुशी है कि साल 2018-19 में शुरू होने के बाद से

1076 हेल्पलाईन के जरिये 6 लाख 22 हजार से ज्यादा लोगों को सरकारी डाक्यूमेंट्स जारी हुए हैं।

अध्यक्ष महोदय, राम राज्य में न कोई दरिद्र होता है, न दुखी होता है, न दीन होता है, हर परिवार समृद्ध होता है। आज के इस आधुनिक दौर में ये समृद्धि युवाओं को रोजगार दिलवाने से आयेगी। ये पिछली सरकारों की नाकामी है कि देश में बेरोजगारी इतने बड़े स्तर पर है कि आज पढ़ेलिखे युवाओं को दर दर नौकरी के लिये भटकना पड़ता है। लेकिन दिल्ली में युवाओं को स्किल्ड और जॉब रेडी बनाने की दिशा में हमारे Industrial Training Institutes (ITIs) एक शानदार भूमिका निभा रहे हैं। वर्तमान में केजरीवाल सरकार शहरभर में 19 Industrial Training Institutes चला रही है। इलेक्ट्रोनिक्स से लेके फैशन डिजाईनिंग, कंप्यूटर ऑपरेशन, प्रोग्रामिंग, थ्री डी मॉडलिंग तक आइटीआई के छात्रों को हर क्षेत्र में टेक्निकल शिक्षा और स्किल ट्रेनिंग मिल रही है। और पिछले साल आईटीआई से निकलने वाले 10 हजार से ज्यादा छात्रों को Toyota, Maruti, Microsoft जैसी मशहूर कंपनियों में नौकरियां मिली हैं।

अध्यक्ष महोदय, हमने पिछले 9 सालों में अपनी यूनिवर्सिटीज़ में भी छात्रों को जॉब रेडी करने के लिये पढ़ने पढ़ाने की प्रक्रिया में बड़े बदलाव किये हैं। 21वीं सदी की जरूरतों को समझते हुए हमने इनमें रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, डिजाईन, आर्किटेक्चर, आटोमोबाईल इंजीनियरिंग आदि के क्षेत्र में कई आधुनिक डिग्री और डिप्लोमा कोर्सिज़ शुरू किये हैं ताकि हमारे

युवा आने वाले कल की इकानॉमी के लिये आज से तैयार हो जायें।

महोदय, केजरीवाल जी की सरकार बनने के बाद Delhi Skill and Entrepreneurship University की शुरूआत हुई। आज Delhi Skill and Entrepreneurship University में 18 हजार 529 छात्र स्किल रिलेटिड कोर्स पढ़ रहे हैं। और इस वर्ष हमारे छात्रों को स्किल कोर्सिज़ के बाद 10 लाख तक का salary package मिला है।

महोदय, ये कामयाबी सिर्फ किसी एक यूनिवर्सिटी या कालेज तक सीमित नहीं है आईआईआईटी दिल्ली का प्लेसमेंट रेट 2023-24 में 75 परसेंट रहा। इस वर्ष में ट्रिपल आईटी दिल्ली का highest salary package 49 लाख रूपये रहा।

एनएसयूटी का पैकेज रेट 2023-24 में 75 परसेंट था। वहां पर highest salary package 80 लाख रूपये तक पहुंच गया।

2023-24 में दिल्ली सरकार की इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फार वीमेन आईजीडीटीडब्ल्यू का placement rate 85 percent रहा और वहां पर highest salary package 82 लाख रूपये तक पहुंच गया, ये है अरविंद केजरीवाल की सरकार।

हांलांकि दिल्ली सरकार की यूनिवर्सिटीज़ में पढ़ने वाले छात्रों को अच्छी नौकरियां मिल रही हैं लेकिन इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि आज हमारा देश एक Job crisis के बीच में खड़ा है। McKinsey की 2020 की इकॉनॉमिक रिपोर्ट ये

कहती है कि 2030 तक पूरे देश में 9 करोड़ Non-agricultural नौकरियों की जरूरत होगी। लेकिन ये नई नौकरियां आयेंगी कहां से अगर देश का हर युवा सिर्फ नौकरियों की लाईनों में खड़ा रहेगा और एक से दूसरी से तीसरी सरकारी नौकरियों की परीक्षा देता रहेगा?

अध्यक्ष महोदय, सिर्फ Entrepreneurship ही हमारे देश की बेरोजगारी मिटा सकता है। इस दिशा में 2019 में हमने अपने स्कूलों में Entrepreneurship mindset curriculum की शुरूआत की थी। इसका उदेश्य है कि बच्चों को इतना कांफिडेंट और काबिल बनाना कि वो पढ़ाई के बाद नौकरी मांगने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनें, ये केजरीवाल सरकार का ध्येय है। इस करिकुलम की प्रैक्टिकल कंपोनेंट बिजनेस ब्लास्टर्स के तहत दिल्ली सरकार के स्कूलों में 11वीं और 12वीं क्लास में पढ़ने वाले बच्चों को दो हजार रूपये का सीड मनी दिया जाता है जिससे वो अपनी क्लासमेट्स के साथ मिलकर कोई छोटा स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं।

बिजनेस ब्लास्टर्स प्रोग्राम के शानदार नतीजे देखने को मिले हैं। हमारे छात्र लाजिस्टिक्स बिजनेस ऑनलाईन गेमिंग पोर्टल्स, ब्लूटूथ स्पीकर मैनुफैक्चरिंग, डार्क चाकलेट्स बनाना, न्यूट्रिशिनल सप्लीमेंट्स बनाना, ब्यूटी प्रोडक्ट्स इत्यादि के फील्ड में न सिर्फ अपने शानदार स्टार्टअप से पैसे कमा रहे हैं बल्कि स्कूल से पासआउट होने से पहले ही बहुत सारे लोगों को नौकरियां भी दे रहे हैं।

इस मॉडल को और सशक्त बनाने के लिये केजरीवाल सरकार ने अपनी यूनिवर्सिटिज़ में भी इनक्यूबेशन सेंटर्स की शुरूआत की है जहां पर 122 छात्रों को उनके स्टार्टअप्स के लिये प्द्कनेजतल समंकमते की mentorship से लेकर फंडिंग तक के लिये सपोर्ट मिल रहा है।

अनंत शर्मा दिल्ली की केजरीवाल सरकार के ट्रिपल आईटी दिल्ली में पढ़ रहा एक सामान्य छात्र था। 2019 में अपनी ग्रैजुएशन के दिनों में ही उसने ट्वीक लैब्स नाम की एक स्टार्टअप की शुरूआत की जो एक नये किस्म की sports technology का आविष्कार था। ट्रिपल आईटी दिल्ली के इनोवेशन और इनक्यूबेशन सेंटर में उसने एक छोटी सी शुरूआत करके उसकी कंपनी ने इतनी तरक्की करी कि अनंत को मशहूर Business Reality Show - Shark Tank में जगह मिली। उसने देश के सबसे विख्यात उद्योगपतियों के सामने अपने बिजनेस को पिच किया और 60 लाख रूपये की फंडिग शार्क टैंक के माध्यम से की।

अनंत इस बात का प्रमाण है कि अगर काबिलियत को सरकार का साथ मिले तो दिल्ली और देश के जो पढ़ने वाले जो colleges के जो युवा हैं अपने शानदार बिजनेस आईडियाज़ से पूरे देश को बदल सकते हैं। और हमारे colleges से अनेकों ऐसे अनंत निकलें इसलिये इस वर्ष से केजरीवाल सरकार अपनी सभी यूनिवर्सिटीज़ और ITIs में Business Blasters Senior की शुरूआत कर रही है। इसके तहत हमारे छात्रों को अपने स्टार्टअप शुरू करने के लिये सीड मनी

और सपोर्ट मिलेगा। इन स्टार्टअप्स में केजरीवाल सरकार इस वर्ष 15 करोड़ रूपये का इनवेस्टमेंट करेगी।

अध्यक्ष महोदय, आईये हम 10 साल के बाद की दिल्ली की कल्पना करते हैं। अगर हमारे स्कूल और colleges से निकलने वाले हर वर्ष 40 हजार से ज्यादा business पकमें में से मात्र 5 परसेंट भी सफल हो गये तो 10 साल बाद दिल्ली और देश में 2 हजार बड़ी कंपनियां खड़ी हो जायेंगी जो देश और दिल्ली से बेरोजगारी और गरीबी जड़ से उखाड़ देंगी।

अध्यक्ष महोदय, यही असली राम राज्य होगा।

अध्यक्ष महोदय, रावण के वध के बाद जब प्रभु श्रीराम अयोध्या आये तो हर घर में दीये जलाये गये, दीपावली मनाई गयी। कहते हैं राम राज्य का मतलब ही है कि हर घर रौशन रहेगा। लेकिन आज दिल्ली के लोगों को अपना घर रौशन करने के लिये दीपावली का इंतजार नहीं करना पड़ता क्यूंकि दिल्ली में 24 घंटे बिजली आती है।

आपको याद होगा दिल्ली में लंबे लंबे पावर कट लगना एक सामान्य बात होती थी। और ये कोई बहुत पुरानी बात नहीं है। 2014 तक की गर्मियों में दिल्ली में आठ आठ घंटे लंबे पावर कट होते थे। न सिर्फ पावर कट होते थे, बिजली महंगी भी होती थी। एक समय ऐसा था जब अपना बिजली का बिल भरने के लिये परिवार को अपने अन्य खर्चों को काटना पड़ता था। लेकिन आज 9 साल की अरविंद केजरीवाल सरकार के बाद दिल्ली में 24 घंटे

बिजली आती है और 22 लाख से ज्यादा परिवारों के बिजली का बिल जीरो आता है।

2014 में जब दिल्लीवासी पावरकट और महंगी बिजली से जूझ रहे थे तब बिजली की पीक डिमांड 5800 मेगावाट थी। लेकिन पिछले 9 सालों में केजरीवाल सरकार के प्रयासों का नतीजा है कि 2023-24 में दिल्ली ने 22 अगस्त को 7,438 मेगावाट की अपनी पीक डिमांड को बिना किसी पावरकट के पूरा किया।

हम अक्सर सुनते हैं कि जिन राज्यों में बिजली का दाम सरकारें कम रखती हैं वहां जो बिजली की कंपनियां होती हैं उनका इंफ्रास्ट्रक्चर पैसे की कमी की वजह से जर्ज़र हालत में पहुंच जाता है। लेकिन दिल्ली में ऐसा नहीं है। केंद्र सरकार की जनवरी में निकली डिस्कॉम रेटिंग्स में दिल्ली के तीनों Discomsdks 'A+ rating' मिली है। देश के तीन टॉप Discoms दिल्ली के हैं। तीनों मुनाफे में हैं और फिर भी दिल्ली वालों को फ्री बिजली मिलती है। बताईये ये राम राज्य नहीं है तो क्या है?

राम राज्य से प्रेरित सरकार की जिम्मेदारी सिर्फ अपने लोगों की नहीं है, साथ साथ पर्यावरण के प्रति भी है। यही कारण है कि केजरीवाल सरकार ने न सिर्फ दिल्लीवासियों की समृद्धि के लिये बिजली की उपलब्धता बढ़ाई, बल्कि प्र्यावरण का ध्यान रखते हुए ग्रीन और Renewable energy पर भी फोकस किया। आज दिल्ली की पावर सप्लाई में लगभग 30 परसेंट बिजली ग्रीन और Renewable

energy से आती है। आज दिल्ली में इस्तेमाल होने वाली 255 मेगावाट बिजली रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट में produce होती है। दिल्ली सरकार की 1280 सरकारी बिल्डिंग की छत पर सोलर रूफ टॉप प्लांट्स लगे हैं। और मुझे ये बताते हुए बेहद खुशी है कि 2024-25 में दिल्ली सरकार की हर बिल्डिंग की छत पर सोलर पावर प्लांट लगाये जायेंगे। दिल्ली सरकार का ये टारगेट है कि 2027 तक 4500 मेगावाट यानि कुल पावर सप्लाई का 25 परसेंट सोलर एनर्जी से ही होगा।

अध्यक्ष महोदय, हिन्दू धर्म में ये मान्यता है कि प्यासे को पानी पिलाने से बड़ा पुण्य का काम कोई नहीं होता। पानी सिर्फ एक जरूरत नहीं है, एक सम्मानजनक जीवन की आधारशीला है। 2014 में इस सम्मानजनक जीवन जीने के लिए दिल्ली के लाखो लोगों को संघर्ष करना पड़ता था। चाहे अनाधिकृत कालोनियाँ हों, जहां वर्षों से पानी की लाइनें नहीं बिछी थी या झुग्गी बस्तियाँ हों। जहां रहने वाली महिलाओं को और लड़कियों को सुबह 4 बजे उठकर अपने घर के पास टैंकरों के इंतजार में लम्बी लाइनों में लगना पड़ता था। टैंक में पाइप डालकर पानी निकालने के लिए टैंकर माफिया के सामने हाथ फैलाने पड़ते थे। दिल्ली की एक तिहाई से ज्यादा आबादी रोज इस अमानवीय परिस्थिति से झूझती थी।

एक व्यक्ति के पानी का अधिकार अध्यक्ष महोदय, अमीरी या गरीबी नहीं तय कर सकती है। पानी का अधिकार दिल्ली के नवजीवन कैंप की झुग्गियों में रह रहे एक परिवार को उतना है

जितना महारानी बाग में रह रहे परिवार को। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने इसी विजन के साथ दिल्ली में पहली बार 20 हजार लीटर पानी फ्री देना शुरू किया। आज दिल्ली के 62.5 घरों में यानि 17 लाख परिवारों को पानी बिल्कुल फ्री मिलता है। सिर्फ इतना ही नहीं केजरीवाल सरकार के आने के बाद दिल्ली के कुल 9 लाख 34 हजार घरों को पहली बार पानी की सप्लाई मिली है। आज दिल्ली में पानी की उपलब्धता 840 एमजीडी से बढ़कर 1009 एमजीडी हो गई है।

अनाधिकृत कालोनियों में और झूग्गियों में युद्धस्तर पर पानी की पाइप लाइन बिछाई गई। शायद ही दिल्ली में आज कोई ऐसा झुग्गी कलस्टर होगा जहां घर-घर तक पानी की लाइन ना पहुंची हो। आज 99.6 परसैंट अनोथराइज्ड कॉलानीज में पानी की पाइप लाइन मौजूद है। 1031 अनाधिकृत कालोनियों को अब सीवर नैटवर्क से जोड़कर इनमें 4243 किलोमीटर की सीवर की लाइन डाली गई है। केजरीवाल सरकार ने 2014 के बाद से 2422 किलोमीटर पानी की और 3100 किलोमीटर सीवर की जर्जर लाइनों को बदलकर नई लाइनें डलवाई हैं। हमारा ये प्रयास रहा है कि दिल्ली में पानी और सीवर जैसी मूलभूत सुविधा हर व्यक्ति को उपलब्ध होनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, रामायण में अयोध्या के सौंदर्य का विस्तृत वर्णन है। किसी भी आधुनिक शहर का सौंदर्य उसका अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर होता है, शहरों में नई सड़कें और फलाईओवर का निर्माण इसकी

सुंदरता को बढ़ाने के साथ-साथ शहर की अर्थव्यवस्था को भी बढ़ाते हैं।

पिछले 10 साल की दिल्ली के बदलते हुए चित्र में एक बड़ा बदलाव सड़कों और flyovers के एक विशाल नेटवर्क के तौर पर आया है। पिछले 9 साल में केजरीवाल सरकार ने यातायात को सुगम बनाने के लिए 30 नए flyover एलिवेटिड कोरिडोर और अंडरपास का निर्माण किया है। इनमें रिंग रोड पर भलस्वा, बुराड़ी, मुकुंदपुर, जगतपुर flyover, मधुबन चौक से मुकरबा चौक के बीच एलीवेटिड कोरीडोर, उत्तरी-पूर्वी दिल्ली में सिग्नेचर ब्रिज, शास्त्री पार्क-सीलमपुर flyover, दक्षिणी-दिल्ली में आश्रम चौक अंडरपास का flyover, सराय काले खान flyover आउटर रिंग रोड पर आरटीआर flyover और बेनिटो जुआरेज अंडरपास इत्यादि।

इन flyovers के बनने से ना केवल ट्रैफिक कंजैशन कम हुआ है, बल्कि जिन सड़कों को पार करने में घंटो लगा करते थे, अब वो इन flyovers के बन जाने से मिनटों में पार हो जाती हैं। 2017-18 तक दिल्ली दुनिया का चौथा सबसे congested शहर था। दिल्ली की आबादी और गाड़ियाँ दोनों बढ़ी लेकिन केजरीवाल सरकार ने इतनी सड़कें एलीवेटिड कोरिडोर और फलाईओवर बनाए कि आबादी और गाड़ियाँ बढ़ने के बावजूद दिल्ली में ट्रैफिक कंजैशन में भारी कमी आई है और अब दुनिया में कंजैशन के मामले में चौथे नम्बर से दिल्ली 44वें नम्बर पे पहुंच गया है। यानि सड़क पर

गाड़ियाँ बढ़ने के बावजूद भी केजरीवाल सरकार ने सड़क पर कंजैशन कम किया है।

ना सिर्फ दिल्ली की बड़ी संड़कें और फलाईओवर्स बल्कि दिल्ली सरकार की कालोनियों को जोड़ने वाली इंटरनल सड़कों के निर्माण पर भी फोकस किया है। मुख्यमंत्री सड़क पुनर्निमाण योजना के तहत अब तक 850 किलोमीटर की कालोनी के अंदर की सड़कें बनाई गई है।

दिल्ली के हर निवासी को सार्वजनिक यातायात की अच्छी सुविधा देना सरकार की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में दिल्ली में पब्लिक ट्रांसपोर्ट में भी एक बड़ा बदलाव आया है। मार्च,2015 तक दिल्ली मैट्रो का कुल रेल नैटवर्क 193 किलोमीटर था और इसमें 143 मेट्रो स्टेशन थे पिछले 9 वर्ष में दिल्ली का मैट्रो नैटवर्क लगभग दुगुना होके 393 किलोमीटर हो गया है और स्टेशंस की संख्या बढ़कर 288 हो गई है।

मैट्रो में 2014 में रोजाना लगभग 24 लाख लोग यात्रा करते थे और आज 2024 में लगभग रोज 60 लाख से अधिक लोग मैट्रो में यात्रा करते हैं। मैट्रो आज दिल्ली के हर कोने तक पहुंच गई है। चाहे वो टीकरी बॉर्डर हो, चाहे समयपुर बादली हो, टीकरी कलाँ हो, बदरपुर बोर्डर हो या शिव विहार हो।

दिल्ली में ना केवल मैट्रो का दायरा बढ़ा है यहां बसों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। माननीय अध्यक्ष महोदय मुझे

ये कहते हुए खुशी हो रही है कि 1650 इलैक्ट्रीक बसों के साथ दिल्ली में आज इलैक्ट्रीक बसों का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बेड़ा है। आज दिल्ली में 7582 आधुनिक बसों की शानदार सिममज है, जो दिल्ली के अब तक इतिहास में सबसे ज्यादा है। साथ ही केजरीवाल सरकार द्वारा 2080 नौ मीटर की ई-बसें खरीदी जा रही हैं, जो लास्ट माइल कनैक्टीविटी के लिए मोहल्ला बस के तौर पर इस्तेमाल होंगी। मुझे ये बताते हुए खुशी है कि 2025 तक दिल्ली में 10 हजार से भी ज्यादा बसें होंगी जिसमें से 80 परसैंट इलैक्ट्रीक होंगी।

अध्यक्ष महोदय, भगवान श्रीराम के जीवन सिखाया है कि जो समाज में सबसे उपेक्षित है, उनके बारे में सबसे पहले सोचना हमारा धर्म है, इससे प्रेरणा लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने दिल्ली की अनाधिकृत कालोनियों की दशा और दिशा बदलने के लिए युद्धस्तर पर काम किया है। आज दिल्ली में लगभग 1800 अनाधिकृत कॉलोनियाँ हैं, जिसमें दिल्ली की 30 परसैंट से ज्यादा आबादी रहती है। एक समय ऐसा था जब नेताओं को अनोथराइज्ड कॉलोनी सिर्फ वोट मांगने के समय याद आती थी। वो वहां पर वोट मांगने तो जाते थे पर जब चुनाव जीतकर आते थे तो वहां के लोगों को जाकर कहते थे कि इन कॉलोनियों में सरकारी पैसा खर्च नहीं किया जा सकता। वहां ना पीने का पानी था, ना सड़कें थी, ना सीवर थे, ना नालियाँ थी, ये कालोनियाँ गंदगी से अटी रहती थी। इनमें से ज्यादातर कालोनियों में वो प्रवासी लोग रहते थे जो

दिल्ली में एक बेहतर जिंदगी के लिए सपना संजोकर आए थे। लेकिन यहां उनके पास बुनियादी सुविधाएं भी नहीं थी।

लेकिन 2015 में जब अरविंद केजरीवाल जी की सरकार बनी तो इन अनाधिकृत कालोनियों में रहने वाले लागों को हरसंभव सुविधा देने को हमने अपनी प्राथमिकता बनाया। यहां इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट कर लोगों को एक सम्माजनक जीवन दिया। इन कॉलोनियों में हमने पानी और सीवर की लाइनें डलवाई, नालियाँ बनवाई और साथ-साथ 1355 ऐसी कॉलोनियाँ है जिनमें 5175 किलोमीटर की सड़के बनाई गई। लेकिन ये काम अभी खत्म नहीं हुआ है, अभी केजरीवाल सरकार इन कालोनियों का और भी विकास करेगी। मुझे ये बताते हुए खुशी है कि आने वाले वर्ष 2024-25 में अनाधिकृत कालोनियों के विकास के लिए बजट में 902 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

अध्यक्ष महोदय अभी तक मैंने दिल्ली की 10 साल की बदलती हुई तस्वीर को सदन के सामने रखा है। ये बदलती हुई तस्वीर अरविंद केजरीवाल जी की वचनबद्धता का प्रमाण है। अध्यक्ष महोदय, महाराज दशरथ द्वारा माता कैकयी को दिए हुए एक वचन को पूरा करने के लिए प्रभु श्रीराम सब कुछ त्यागकर 14 वर्षों के लिए वनवास चले गए। उन्हें जंगलों में रहना पड़ा, कंद-मूल खाने पड़े, जमीन पर सोना पड़ा। 14 साल तक भगवान श्रीराम ने संघर्ष किया, मुश्किलों का सामना किया, लेकिन अपने वचन को निभाने से पीछे नहीं हटे। इसीलिए कहते हैं रघुकुल रीत सदा चली आई,

प्राण जाए पर वचन न जाए। ठीक उसी तरह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने दिल्ली के लोगों से वादा किया था कि वो दिल्लीवासियों को बेहतर जिंदगी देंगे। उन्हें सम्मानजनक जीवन देंगे, उनके बच्चों को शानदार शिक्षा देंगे, उन्हें बेहतरीन स्वास्थ्य की सुविधाएं देंगे। इस वचन को पूरा करने के लिए अरविंद केजरीवाल जी ने भी बहुत मुश्किलों का सामने किया है। पिछले 9 साल में हमारे विरोधियों ने अरविंद केजरीवाल जी के काम को रोकने का हर संभव प्रयास किया है, हर काम में अडंगा डाला है, हर पोलिसी को फेल करने की कोशिश की है। लेकिन जिस तरह तमाम मुश्किलों के बावजूद भी भगवान श्रीराम अपने वचन से पीछे नहीं हटे, उसी तरह पिछले 9 सालों से अरविंद केजरीवाल जी भी दिल्ली वासियों को दिए गए अपने वचन को निभाने से पीछे नहीं हटे।

अरविंद केजरीवाल जी के इस संघर्ष से दिल्ली वालों की जिंदगी बदल गई है। अब महिलाओं को पानी के टैंकर के लिए लम्बी लाइनों में नहीं लगना पड़ता, अनाधिकृत कालोनी में रह रहे लोगों को अब सड़क, पानी, सीवर जैसी बुनियादी सुविधाएं मिल सकी। जो महिलाएं सालों तक अपने घर की चारदीवारी में बंद थीं वो पिंक टिकट के माध्यम से अब घर से बाहर निकल सकती हैं। जो बुजुर्ग, जो दशकों से तीर्थ यात्रा पर जाने की कयास लगाए बैठे थे, अब मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना की बदौलत फ्री तीर्थ यात्रा कर पा रहे हैं। वो परिवार जिसने सीमा पर अपना बेटा खोया था उन्हें

सम्मान मिला है। गरीब परिवारों के बच्चों को शानदार शिक्षा मिली है। हर व्यक्ति को बेहतर इलाज मिला है। मुझे गर्व है कि पिछले 9 सालों से तमाम अड़चनों के बाद भी अरविंद केजरीवाल जी ने दिल्लीवासियों से किया अपना हर वादा निभाया है, चाहे उन्हें कितनी भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

मैं ये नहीं कहती कि हमने सब कुछ कर दिया, अभी बहुत कुछ होना बाकी है, लेकिन पिछले 9 सालों में जितना काम हुआ है, जितनी मुश्किलों के बावजूद हुआ है वो किसी चमत्कार से कम नहीं है।

अध्यक्ष महोदय मैं विश्वास के साथ कह सकती हूं कि आने वाले वर्ष में भी रामराज्य को साकार करने का प्रयास जारी रहेगा और अब इस वर्ष का बजट प्रस्ताव पेश करने से पहले मैं दिल्ली की आर्थिक स्थिति पर थोड़ी बात करना चाहती हूं।

वित्तीय वर्ष 2023-24 की बात करें तो दिल्ली के सकल राज्य घरेलू उत्पाद यानि GSDP में 9.17 परसैंट की दर से वृद्धि हुई है, जो पिछले वित्त वर्ष में 10 लाख 15 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर इस साल 11 लाख 8 हजार करोड़ रुपए हो जाना अनुमानित है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान दिल्ली का GSDP वर्तमान कीमतों पर 15.13 परसैंट और स्थिर कीमतों पर 7.85 परसैंट बढ़ा है।

दिल्ली की आबादी देश की कुल आबादी की 1.55 परसैंट है। लेकिन दिल्ली का राष्ट्रीय जीडीपी में योगदान इससे दुगुने से भी

ज्यादा है। 2023-24 में दिल्ली का राष्ट्रीय जीडीपी में योगदान स्थिर कीमतों पर 3.89 परसैंट होने जा रहा है।

अध्यक्ष जी वित्त वर्ष 2023-24 के लिए संशोधित बजट का अनुमान 74 हजार 900 करोड़ रुपए प्रस्तावित है। ये संख्या 2022-23 में व्यय किए गए 64 हजार 110 करोड़ रुपये से 16.83 परसैंट अधिक है। 74 हजार 900 करोड़ रुपए के प्रस्तावित संशोधित बजट अनुमान में 56 हजार 440 करोड़ रुपए राजस्व व्यय और 16 हजार 460 करोड़ रुपए पूंजीगत व्यय के तहत है। वर्ष 2023-24 में स्थापना एवं अपरिहार्य व्यय 35 हजार एक सौ रुपए के स्वीकृत बजट अनुमान से बढ़कर संशोधित अनुमान में 35 हजार 275 करोड़ रुपए हो गया है।

अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2023-24 के दौरान संशोधित अनुमान में 825 करोड़ रुपए की द्वितीय और अंतिम पूरक अनुदान मांगों की आवश्यकता होगी। इसलिए मैं पूरक अनुदान मांगों के लिए सदन से अनुरोध करती हूं। और अब सम्मानित सदन के समक्ष अगले वित्तीय वर्ष का बजट अनुमान पेश करती हूं।

वर्ष 2023-24 का संशोधित बजट का अनुमान 74 हजार 900 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2024-25 में बजट अनुमान इससे बढ़कर 76 हजार करोड़ रुपए है। बजट अनुमान में 60 हजार 911 करोड़ रुपए राजस्व व्यय और 15 हजार 89 करोड़ रुपए पूंजीगत व्यय शामिल है।

अध्यक्ष महोदय, जैसा कि हम सब जानते हैं कि केंद्र सरकार ने हमेशा दिल्ली के साथ सौतेला व्यवहार किया है। केंद्र सरकार कर और शुल्क के केंद्रीय पूल से सभी राज्यों को उनको उनका हिस्सा देती आई है। मगर दिल्ली को अपने हक का हिस्सा कभी नहीं मिला। जहां अन्य राज्यों को केंद्र सरकार से सभी करों का 41 परसैंट हिस्सा मिलता है, वहीं केंद्रीय पूल से दिल्ली का हिस्सा वर्ष 2001-02 से 2022-23 तक केवल 325 करोड़ रुपए बना रहा और 2023-24 में वो भी जीरो हो गया।

अगर केंद्र सरकार येसौतेला व्यवहार न करें और दिल्ली को बजट में उसका उचित हिस्सा दे, तो दिल्ली का हिस्सा टैक्सिस में 7 हजार 200 करोड़ रुपये से भी ज्यादा होगा। लेकिन केंद्र सरकार के इस सातेले व्यवहार के बावजूद भी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में दिल्ली के बजट में पिछले 10 सालों में एतिहासिक बढ़ोत्तरी हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रस्तावित 76 हजार करोड़ रुपये के कुल व्यय में:

- 58 हजार 750 करोड़ रुपये कर राजस्व से,

- 1 हजार करोड़ रुपये गैर कर राजस्व से,

- 10 हजार करोड़ रुपये लघु बचत ऋण से,

- 379 करोड़ रुपये पूंजीगत प्राप्तियों से,

- जीएसटी compensation से शून्य, 3 हजार 223 करोड़ रुपये केंद्रीय योजनाओं से और केवल 1 हज़ार 168 करोड़ रुपये भारत

सरकार की सहायता अनुदान के रूप में हैं और बाकी राशि आरंम्भिक शेष से पूरी की जायेगी।

अध्यक्ष महोदय, कोई भी राज्य तब तक तरक्की नहीं कर सकता जब तक वहां की लोकल बॉडी सशक्त ना हो इसे देखते हुये हमारी सरकार स्थानीय निकायों को वर्ष 2024-25 के बजट में कुल 8 हज़ार 423 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध करवा रही है इसमें से 3 हज़ार 153 करोड़ रुपये शिक्षा, स्वास्थ्य और साफ-सफाई के लिये हैं, 2 हज़ार 955 करोड़ रुपये बुनियादी कर दायित्व (BTA) और 2 हज़ार 315 करोड़ रुपये स्टैम्प और पंजीकरण शुल्क तथा पार्किंग शुल्क के रूप में दिया जायेगा।

केजरीवाल सरकार लगातार अपने बजट का सबसे बड़ा हिस्सा शिक्षा को देती आई है और साल दर साल ये बढ़ता आया है। इस साल भी मुझे ये बताते हुये खुशी हो रही है कि बजट का सबसे बड़ा हिस्सा शिक्षा को ही आबंटित किया जा रहा है ।

नये स्कूल्स व क्लासरूम्स बनाने के लिये हमने 190 करोड़ रुपये और मौजूदा क्लासरूम्स की मेन्टेनेंस के लिये 45 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

वर्ल्ड क्लास टीचर ट्रैनिंग को प्राथमिकता देते हुये हमने इस साल SCERT के टीचर्स ट्रेनिंग के लिये 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

School of Specialized Excellence दिल्ली का गौरव है और आने वाले समय में सभी ज़ोन्स में इसकी विस्तार की योजना है SOSEs के लिये इस वर्ष 42 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान रखा है। Delhi Model Virtual School, virtual शिक्षा के क्षेत्र में क्राांति लेकर आई है। दिल्ली में कई बार खराब मौसम के कारण स्कूलों को बंद करना पड़ता है स्कूलों के बंद होने के बाद भी बच्चों की शिक्षा ना रूके इसके लिये Delhi Model Virtual School एक शानदार उपाय के तौर पर सामने आया है। इसके नये studio, infrastructure और learning material तैयार करने के लिये 12 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय, जिस तरह संविधान के 72nd और 73rd amendment ने पंचायतों और लोकल बॉडिज़ के माध्यम से निर्णय लेने की शक्ति को लोगों के करीब पहुंचा दिया ठीक उसी तरह Right to Education Act ने स्कूल्स मेनेजमेंट कमेटीज़ के द्वारा स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों के पेरेंट्स के हाथों में स्कूल्स से जुड़े निर्णय लेने की शक्ति दी है। स्कूल्स को छोटे-छोटे कामों के लिये दफ्तरों के चक्कर ना काटने पड़े। अधिकारियों के सामने हाथ ना जोड़ने पड़ें इसलिये इस साल हमारी सरकार ने दिल्ली शिक्षा क्रांति के स्तंभ स्कूल मेनेजमेंट कमेटीज़ के स्कूल्स लेवल फँड के लिये 40 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में entrepreneurship mindset curriculum और उसके practical component business blasters ने

दो सालों में दिल्ली में एक युवा entrepreneurship की एक फौज खड़ी कर दी है इसके लिये बजट अनुमान 2024-25 में entrepreneurship development programme के लिये 40 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जा रहा है।

Chief Miniser Super Talented Coaching Scheme सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे विद्यार्थियों को JEE (Main and Advance) और NEET की परिक्षाओं की तैयारी में मदद करती है जिसके तहत 600 विद्याथियों के लिये 2023-24 में छात्रवृति के लिए चुना गया है। इस योजना के लिये वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय खेल भी जितना पढ़ाई जितना ही महत्वपूर्ण है। दिल्ली में हमारे खिलाड़ियों को बेहतर स्पोर्ट्स सुविधायें मिल सके इसके लिये इस वित्त वर्ष में हमने स्पोर्ट्स के क्षेत्र में 118 करोड़ रुपये का बजट में प्रावधान किया है।

इस साल उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा के लिये हम 1212 करोड़ रुपये प्रस्तावित कर रहे हैं। Delhi Skill and Entrepreneurship Universities के लिये 165 करोड़ रुपये, नेताजी सुभाष टैक्निकल यूनिवर्सिटी के लिये 56 करोड़ रुपये, Delhi Pharmaceutical Sciences and Research University के लिये 42 करोड़, Delhi Techical University के लिये 41 करोड़ और अम्बेडकर यूनिवर्सिटी के लिये 92 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं। साथ ही हमने अपनी ITIs के लिये 242 करोड़ रुपये प्रस्तावित किये हैं।

महोदय, उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों में entrepreneurship को बढ़ावा देने के लिये केजरीवाल सरकार Universities और ITIs में भी business blasters senior की शुरूआत कर रही है। इस योजना के लिये वित्तीय वर्ष 2024-25 में मैं 15 करोड़ रुपये प्रस्तावित करती हूं।

मुझे इस सदन को बताते हुये खुशी है कि इस साल हम शिक्षा के क्षेत्र में 16 हज़ार 396 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, हमारे अस्पतालों में अच्छी सुविधा बनी रहे, हमारे अस्पताल वर्ल्ड क्लास बने रहें इसलिये इस वित्त वर्ष में दिल्ली सरकार के अस्पतालों के लिये 6 हज़ार 215 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया जा रहा है। इस वित्त वर्ष में एलएनजेपी अस्पताल के लिये 719 करोड़, गुरू तेग बहादुर हॉस्पिटल के लिये 497 करोड़, जीबी पतं अस्पताल के लिये 490 करोड़ रुपये, दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल के लिये 352 करोड़ रुपये, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज के लिये 350 करोड़ रुपये, बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल के लिये 291 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है।

अध्यक्ष महोदय, मोहल्ला क्लीनिक के अपने शानदार मॉडल के जरिये केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में गरीब से गरीब व्यक्ति के इलाज को सुगम बना दिया है। दिल्ली के लोगों को मोहल्ला क्लीनिक के जरिये शानदार इलाज मिलता रहे और नई मोहल्ला

क्लीनिक्स खोलने के लिये इस मैं 212 करोड़ रुपये का प्रावधान कर रही है।

दिल्ली सरकार के अस्पतालों में जरूरी दवाईयों की कमी ना हो और हर जरूरतमंद को समय पर निशुल्क दवाईयां मिल सके इसके लिये वित्त वर्ष में 658 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जा रहा है।

दिल्ली में वर्तमान में 11 अस्पतालों का निर्माण हो रहा है इन अस्पतालों को बनने के बाद दिल्ली के अस्पतालों में लगभग 11 हज़ार 500 बैड्स बढ़ेंगे साथ ही केजरीवाल सरकार अपनी मौजूदा अस्पतालों को रिमॉडलिंग भी करवा रही है जिससे अस्पतालों के बैड्स में और भी इज़ाफा होगा।

इस वित्त वर्ष में नये अस्पतालों के निर्माण और रिमॉडलिंग के तहत मौजूदा अस्पतालों के विस्तार के लिये 400 करोड़ रुपये प्रस्तावित किये जा रहे हैं।

केजरीवाल सरकार के दिल्ली आरोग्य कोष के अन्तर्गत मुफ्त इलाज surgery, radiology, diagnostic सेवायें और चिकित्सा उपचार की सुविधा दी जा रही है। इस साल दिल्ली आरोग्य कोष द्वारा फ्री उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के लिये 80 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

दिल्ली में Centralized Accident and Trauma Services (CATS) की नई एम्बुलेंस खरीदने के लिये मैं बजट में 194 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रस्तावित कर रही हूं।

महोदय, वित्तीय वर्ष 2024-25 में, मैं स्वास्थ्य के क्षेत्र के लिये 8 हज़ार 685 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित करती हूं।

अध्यक्ष महोदय, आज दिल्ली में 58 लाख 86 हज़ार घरेलू बिजली उपभोक्ता हैं, जिसमें से 68.33 परसेंट यानि 40 लाख 22 हज़ार घरेलू उपभोक्ताओं को केजरीवाल सरकार की सब्सिडी का लाभ मिल रहा है। साल 2023 में दिल्ली में 3 करोड़ 41 लाख बिजली के बिल ज़ीरो आये हैं। आने वाले साल में भी केजरीवाल सरकार दिल्ली वालों को फ्री बिजली देती रहेगी।

दिल्ली में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिये केजरीवाल सरकार ने दिल्ली सोलर पॉलिसी-2023 तैयार की है, जो अभी गजट नोटिफिकेशन की प्रक्रिया में है और उम्मीद है कि जल्द लागू होगी। जो भी उपभोक्ता 400 से अधिक यूनिट इस्तेमाल करता है सोलर पैनल लगाने के बाद उनका भी बिजली का बिल ज़ीरो आने लगेगा। केजरीवाल जी की 'सोलर पॉलिसी' के तहत सरकार सोलर पैनल लगाने के लिये सब्सिडी तो देगी ही साथ ही सोलर पैनल में प्रति यूनिट बिजली उत्पादन के लिये भी पैसे देगी।

महोदय, वर्ष 2024-25 में मैं विद्युत क्षेत्र के लिये 3 हज़ार 353 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित करती हूं।

अध्यक्ष महोदय, दिल्ली के हर घर को पानी और सीवर की सुविधा का अधिकार मिले, इस दिशा में मैं दिल्ली जल बोर्ड के लिये 7 हज़ार 195 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित करती हूं।

आज दिल्ली में 7 हज़ार 582 बसों की फ्लीट मौजूद है, जिनसे रोजाना 41 लाख से अधिक यात्री सफर करते हैं। इसे और बढ़ाने की दिशा में 1900 नई इलैक्ट्रिक बसों के लिये concession agreement sign साइन हो चुका है। इस साल में इलैक्ट्रिक बसों के लिये 510 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान है। डीटीसी और क्लस्टर बसों में पिंक टिकट के जरिये महिलाओं को फ्री बस यात्रा की स्कीम जारी रखने के लिये वित्त वर्ष 2024-25 में 340 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के प्रयासों से दिल्ली मैट्रों के फेज़-4 का रास्ता साफ हो चुका है। इसके लिये जनकपुरी वैस्ट से रामकृष्ण आश्रम कॉरिडोर, दिल्ली एयरोसिटी से तुगलकाबाद स्टेशन कॉरिडोर, मजलिस पार्क से मौजपुर कॉरिडोर के कुल तीन कॉरिडोर्स के निमार्ण के लिये एमओयू को मंजूरी दी गई है। 65.2 किलोमीटर के इन तीन मैट्रो कॉरिडोर पर 45 स्टेशन होंगे। इस वित्त वर्ष में, दिल्ली मैट्रो के लिये मैं 500 करोड़ रुपये प्रस्तावित करती हूं।

दिल्ली की तरक्की की आधारशिला केजरीवाल सरकार के पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को और भी बेहतर बनाने की दिशा में वित्तीय वर्ष-2024-25 के लिये मैं 5 हज़ार 702 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित करती हूं।

महोदय, केजरीवाल सरकार ने शानदार न्याय के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करने के लिये अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। इस दिशा में हम 4 नये

कोर्ट कॉम्प्लैक्स बनवा रहे हैं जिनकी कुल लागत है 1 हज़ार 108 करोड़ रुपये है।

जिला अदालतों में हाइब्रिड सुनवाई के लिये एक नई योजना का भी प्रस्ताव है और इस योजना के लिये 2024-25 में बजट अनुमान में 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मैं, विधि एवं न्याय विभाग व न्यायालयों के विभिन्न कार्यों के लिये 2024-25 के बजट में 3 हज़ार 98 करोड़ रुपये प्रस्तावित करती हूं।

अध्यक्ष महोदय, दुनिया के किसी भी राज्यों में सड़कों की गुणवत्ता से इकॉनॉमी की रफ्तार तय होती है। जितना ज्यादा सड़कों पर सरकार खर्च करती है उतना ही ज्यादा आम आदमी के लिये समय और पैसों की बचत मुमकिन है।

इस दिशा में वर्तमान में दिल्ली में कई फ्लाईओवर्स और एलिवेटिड कॉरिडोर्स पर काम तेज़ी से चल रहा है इसमें शामिल हैं:-

- बारापुला फेस-3, मैट्रो के साथ मिलकर बनाये जा रहे दो डबल डेकर फ्लाईओर करावल नगर,

- घोंडा-बृजपुरी एक्सटेंशन जंक्शन पर और रानी झांसी रोड जंक्शन से आजादपुर कॉरिडोर पर।

- नंदनगरी से गगन सिनेमा जंक्शनपर फ्लाईओवर बन रहा है।

- आन्नद विहार आरओबी से अप्सरा बॉर्डर आरओबी तक का फ्लाईओवर बन रहा है।

- मुकरबा चौक, आउटर रिंग रोड पर box pushing से एक अंडर पास बन रहा है।

- पंजाबी बाग फ्लाईओवर और राजा गार्डन फ्लाईओवर के बीच integrated corridor का काम करीब 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

तो मुझे ये बताते हुये खुशी है कि हम 2024-25 के अंत तक दिल्ली में 8 नये फ्लाईओवर दिल्लीवासियों को समर्पित करेंगे।

दिल्ली की सड़कों को बेहतर बनाकर दुनिया की सबसे शानदार रोड नेटवर्क में शामिल करने की मिशन के तहत दिल्ली के सड़क और फ्लाईओवर परियोजनाओं के लिये 2024-25 में मैं 1 हज़ार 768 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित करती हूं।

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार अनॉधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले 40 लाख लोगों के जीवन में सुधार लाने को बुनियादी सुविधायें उपलब्ध कराने के लिये प्रतिबद्ध है। दिल्ली की अनॉधिकृत कॉलोनियों में सड़कें और नालियों के विस्तार का काम युद्ध स्तर पर जारी रहेगा और बजट अनुमान 2024-25 में इस काम के लिये 902 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

महोदय, सभी विधानसभा क्षेत्रों में strengthening and augmentation of infrastructure scheme जिसे एमएलए लैड के नाम से जाना जाता है इसके तहत सड़क, गलियां, स्ट्रीट लाइट इत्यादि को दुरूस्त किया जा रहा है। इस योजना के तहत साल 2023-24 में 1,002 नये प्रोजेक्ट मंजूर किये गये जिसमें से 717 पूरे भी हो चुके हैं। विकास कार्यो को जारी रखने के लिये बजट 2024-25 में एमएलए लैड स्कीम के लिये 400 करोड़ रुपये का प्रावधान है।

मुख्यमंत्री सड़क पुर्ननिर्माण योजना और मुख्यमंत्री स्ट्रीट लाइट योजना के अंतर्गत दिल्ली की सड़कों और गलियों की स्थिति में लगातार सुधार हुआ है और डार्क स्पोर्ट्स घटाकर सड़कों को सुरक्षित बनाया गया है। बजट अनुमान 2024-25 में इस योजना के तहत सड़कों और स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था के लिये 275 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

अध्यक्ष महोदय, मैं वित्तीय वर्ष 2024-25 में आवास और शहरी विकास की योजनाओं के लिये 9 हज़ार 800 करोड़ रुपये प्रस्तावित करती हूं।

अध्यक्ष महोदय, दिल्ली के गांव की जनता ने अरविंद केजरीवाल जी को बहुत प्यार और सम्मान दिया है। गांव की तरक्की की दिशा में आगे बढ़ाने के लिये इस साल केजरीवाल सरकार दिल्ली के 360 से अधिक गांव में हज़ार किलोमीटर सड़कें बिछायेगी, इससे गांव की अर्थव्यवस्था को काफी बढ़ावा मिलेगा। दिल्ली के गांव के विकास

के लिये मैं वित्तीय वर्ष 2024-25 में 900 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित करती है।

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, दिव्यांगजनों को मासिक पेंशन देने का काम कर रही है। केजरीवाल सरकार लगभग 9 लाख 3 हज़ार जरूरतमंदों को हर महीने 2,000 से 2,500 रुपये तक वित्तीय सहायता दे रही है। इसमें 4 लाख वरिष्ठ नागरिक, 3 लाख 75 हज़ार विधवा एंव संकटग्रस्त महिलायें और 1 लाख 23 हज़ार दिव्यांगजन शामिल हैं। इन लाभार्थियों के लिये 2024-25 के बजट में 2 हज़ार 714 करोड़ रुपये का प्रावधान है।

2024-25 में जैसा मैंने पहले आपको बताया महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए केजरीवाल सरकार एक नई योजना लेकर आ रही है। इसका नाम है ''मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना'' महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए शायद ये दुनिया की सबसे बड़ी योजना होगी। इस क्रान्तिकारी योजना के तहत 18 साल से ऊपर की हर महिला को प्रति महीने हजार रूपये की राशि मिलेगी। निम्नलिखित महिलाएं इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगी। एक जो अभी सरकार की किसी और पेंशन स्कीम का हिस्सा हैं। दो जो स्वयं सरकारी कर्मचारी हो या तीन जो इन्कम टैक्स पेयर हो। स्कीम के लिए पात्र होने के लिए महिला का दिल्ली का वोटर होना जरूरी है। स्कीम के लिए पात्र महिला को एक फॉर्म भरना होगा और साथ ही एक सैल्फ डिक्लेरेशन देना होगा कि वो किसी सरकारी योजना का हिस्सा

नही है। सरकारी कर्मचारी नही है और इन्कमटैक्स पेयर नही है। सैल डिक्लेरेशन के आधार पर उस महिला को इस योजना का लाभ मिलना शुरू हो जायेगा। फॉर्म के साथ हर महिला को अपने आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड और बैंक एकाउंट की जानकारी देनी होगी। मुझे ये घोषणा करते हुए खुशी है कि वित्तिय वर्ष 2024-25 में ''मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना'' के लिए इस बजट में दो हजार करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है।

महोदय, सामाजिक उत्थान और महिला सशक्तिकरण को समर्पित केजरीवाल सरकार की इन योजनाओं के लिए मैं समाज कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग और एससी, एसटी ओबीसी कल्याण विभाग के लिए 6 हजार 216 करोड रूपये प्रस्तावित करती हूं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैंने बजट के पहले भाग में सरकार की नीतियों और योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की है। अब मैं सरकार के राजस्व बढ़ाने के लिए किये जा रहे प्रयासों पर चर्चा करूंगी।

वर्ष 2023-24 में जनवरी 2024 तक जीएसटी और वैट के लिए टैक्स कलैक्शन पिछले वर्ष की तुलना में 13.96 परसेंट की वृद्धि के साथ 31 हजार 445 करोड रहा।

अध्यक्ष महोदय, केजरीवाल सरकार ने पिछले नौ सालों में हमेशा व्यापारियों और व्यापार की बेहतरी के लिए काम किया है ईमानदार

आदमी परेशान ना हो और सरकार का राजस्व बढ़ा रहे इस दिशा में हमने व्यापारियों के लिए नियम को आसान बनवाने की कोशिश की है। इसी का नतीजा है कि पिछले सालों में दिल्ली में व्यापार और टैक्स कलैक्शन दोनों में वृद्धि हुई है।

आज दिल्ली में कुल 07 लाख 88 हजार जीएसटी कर दाता हैं, जिसमें से दिल्ली सरकार के अधीन 04 लाख 82 हजार करदाता आते हैं बाकी 03 लाख 6 हजार कर दाता केन्द्र सरकार के अन्तर्गत आते हैं।

अध्यक्ष महोदय, हमने दिल्ली में ऑडिट प्रक्रिया को सुदृढ़ किया है। ground intelligence, (BIFA) यानि Business Intelligence and Fraud Analysis portal, GSTN के अपने पोर्टल की Intelligence को आधार बनाते हुए दिल्ली सरकार लगातार स्पेशल ऑडिटिंग करवा रही है ताकि टैक्स की चोरी ना हो सके। ऑडिटिंग प्रोसेस के जरिये हमने 167 स्पेशल ऑडिट करके इस वर्ष 05 हजार 321 करोड़ की ज्ंग Deficiency को पकड़ा है। इसी ground intelligence के दम पर फर्जी व्यापारियों के खिलाफ भी केजरीवाल सरकार सख्ती से एक्शन लेती हुई आई है। जो इंटेलिजेंट रिपोर्टस हमें इन सब पोर्टल से मिलती है उनका फील्ड वैरिफिकेशन करने के बाद हमने 02 हजार 911 फेक फर्मस को संस्पेंड किया है और एक हजार 316 करोड की टैक्स चोरी पकडी है।

अब केजरीवाल सरकार का अगला कदम जीएसटी के आईटी infrastructure को आधुनिक और पूरी जीएसटी टैक्स administration को फेसलेस बनाना है। इस दिशा में हमारी सरकार आईआईटी हैदराबाद के साथ एक data analytics और automation software पर काम कर रही है। ये artificial intelligence और data analytics के जरिये रिटर्न्स ट्रैक करने, मॉनिटरिंग करने, रिफँड प्रक्रिया को आसान बनाने में मदद करेगा। इससे डिफॉल्टर्स और टैक्स चोरी का पता लगाने और उन पर एक्शन लेने में भी सहायता होगी। ये पूरी प्रक्रिया सिस्टम में पारदर्शिता को भी बढ़ावा देगी और साथ ही फेसलेस होने के कारण tax administration के भ्रष्टाचार को भी खत्म करेगी।

अध्यक्ष महोदय, दिल्ली सरकार आबकारी राजस्व में वृद्धि और प्रभावी तरीके से उत्पाद विनयमित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सरकार फेसलेस enforcement और Excise Intelligence Bureau को मजबूत करने जैसे उपायों के जरिये शराब के अवैध कारोबार से मुक्ति सुनिश्चित करने और शहर में liquor के quality control सुनिश्चित करने के लिए वचनबद्ध है।

सरकार ने 2022 से उत्पाद शुल्क आधारित व्यवस्था बहाल कर दी है। hospitality industry रोजगार मुहैया कराने, टैक्स जनरेशन और पर्यटन को बढ़ावा देकर राज्य की सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था में सुधार लाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। सरकार Liquor Supply System

Management की मौजूद तकनीक को बढ़ाने और उन्नत कराने के लिए भी कई तकनीक विकसित कर रही है।

वर्ष 2023-24 में जनवरी, 2024 तक वाहन टैक्स कलैक्शन पिछले वर्ष की तुलना में 11.88 परसेंट की वृद्धि के साथ 02 हजार 687.98 करोड रूपये रहा।

वर्ष 2023-24 में जनवरी 2024 तक स्टैम्प और पंजीकरण शुल्क भूराजस्व सहित का टैक्स कलैक्शन पिछले वर्ष की तुलना में 16.81 की बढ़ोतरी के साथ 5 हजार 797 करोड़ रूपये रहा।

अध्यक्ष महोदय, मैं अंत में एक बार फिर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी को सलाम करती हूं। जिस जिम्मेदारी और लगाव के साथ एक व्यक्ति अपने परिवार को चलाता है ठीक उसी जिम्मेदारी के साथ अरविंद केजरीवाल जी ने दिल्ली के दो करोड लोगों के अपने परिवार के लिए सरकार को चलाया है। उन्होंने दिल्ली के हर इंसान का ख्याल रखा है, चाहे एक पिता की तरह बच्चों को अच्छी शिक्षा देनी हो या एक बेटा बनकर बुजुर्ग माता-पिता को तीर्थ यात्रा पर भेजना हो, चाहे वो बहन के हाथ में हर महीने हजार रूपये की सम्मान राशि देनी हो या भाई का इलाज करवाना हो, इस दस साल के सफर में अरविंद केजरीवाल जी ने ये सभी जिम्मेदारियां दिल्ली के अपने दो करोड़ लोगों के परिवार के लिए निभाई है। मुझे विश्वास है कि दिल्ली वाले अपने बेटे अरविंद केजरीवाल जी के राम राज्य को साकार करने के इस संकल्प में,

उन पर सदैव अपना आशीर्वाद और प्यार बनाकर रखेंगे और मैं ये बात दावे के साथ कह सकती हूं कि दिल्ली वालों के इस प्यार के साथ अगले पांच साल भी केजरीवाल सरकार ही इस विधान सभा में बजट प्रस्तुत करेगी। जय हिंद। जय भारत।

(सत्ता पक्ष के सदस्य नारे लगाते हुए)

माननीय अध्यक्षः बैठिये। इससे पूर्व, कुछ बाकी है। करिये-करिये।

माननीया वित्त मंत्रीः Hon'ble Speaker Sir I present demands for the grant ...

माननीय अध्यक्षः नहीं ये तो एक सैकेंट, ये तो मैं बोलूंगा। बैठिये। इससे पहले कि माननीय वित्त मंत्री अनुदानों की मांगे प्रस्तुत करें हमारे मध्य में आतिशी जी की माता श्रीमति तृप्ता वाही यहां उपस्थित हैं, उनके पिता श्री विजय कुमार सिंह जी भी यहां उपस्थित हैं, एक बार जोरदार तालियों से मेज थपथपा कर उनका अभिनन्दन करें। अनुदानों की मांगे वर्ष 2024-25 अब माननीय वित्त मंत्री वित्त वर्ष 2024-25 के लिए डिमांड फॉर ग्रांटस पेश करेंगी।

माननीया वित्त मंत्रीः Hon'ble Speaker Sir I present demands for grants for the financial year 2024-25 before the House.[2]

माननीय अध्यक्षः इन अनुदान मांगों पर सदन में बजट पारित करने के दौरान विचार किया जा सकेगा। अनुदानों की पूरक मांगें 2023-2024 के लिए अब वित्त मंत्री 2023-2024 के लिए Supplementary Demands पेश करेंगी।

माननीया वित्त मंत्रीः Hon'ble Speaker Sir, I present Second and Final Batch of Supplementary Demands for Grants for the year 2023-2024 before the House.[3]

माननीय अध्यक्षः अब सदन Supplementary Demands पर Demand wise विचार करेगा।

DEMAND NO. 2 (General Administration)

जिसमें Revenuees में 2 लाख रुपये व Capital में एक लाख कुल राशि 3 लाख रुपये हैं, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 2 पास हुई।

DEMAND NO. 3 (Administration of Justice)

जिसमें Revenue में 90 करोड़ 66 लाख 49 हज़ार रुपये व Capital में एक लाख रुपये कुल राशि 90 करोड़ 67 लाख 49 हज़ार रुपये हैं, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

---

[2] दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर-23267 पर उपलब्ध।

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 3 पास हुई।

DEMAND NO. 4 (Finance)

जिसमें Revenue में 2 लाख रुपये व Capital में 5 लाख रुपये कुल राशि 7 लाख रुपये हैं, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 4 पास हुई।

DEMAND NO. 5 (Home)

जिसमें Revenue में 3 लाख रुपये व Capital में 2 लाख रुपये कुल राशि 5 लाख रुपये हैं, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 5 पास हुई।

DEMAND NO. 6 (Education)

जिसमें Revenue में 6 लाख 50 हज़ार रुपये हैं, सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 6 पास हुई।

DEMAND NO. 7 (Medical & Public Health)

जिसमें Revenue में 13 लाख 14 हज़ार रुपये, तथा Capital में 7 लाख रुपये, कुल राशि 20 लाख 14 हज़ार रुपये सदन के सामने है –

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 7 पास हुई।

DEMAND NO. 8 (Social Welfare)

जिसमें Revenue में एक अरब 56 करोड़ 26 लाख 71 हज़ार रुपये तथा Capital में 5 अरब 36 करोड़ 29 लाख रुपये हैं, कुल राशि 6 अरब 92 करोड़ 55 लाख 71 हज़ार रुपये सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 8 पास हुई।

DEMAND NO. 10 (Development)

जिसमें Revenue में 9 लाख रुपये तथा Capital में 4 लाख रूपये, कुल राशि 13 लाख रुपये है, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 10 पास हुई।

DEMAND NO. 11 (Urban Development & Public Works)

जिसमें Revenue में 7 लाख रुपये तथा Capital में 14 लाख रूपये, कुल राशि 21 लाख रुपये, सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 11 पास हुई।

हाउस ने कुल मिलाकर Revenue में 2 अरब 47 करोड़ 35 लाख 84 हज़ार रुपये तथा Capital में 5 अरब 36 करोड़ 63 लाख रुपये, कुल राशि 7 अरब 83 करोड़ 98 लाख 84 हज़ार रुपयों की Supplementary Demands को मंजूरी दे दी है।

The Delhi Appropriation (No. 1) Bill, 2024

(Bill No. 01 of 2024)

माननीय अध्यक्षः अब वित्त मंत्री 'The Delhi Appropriation (No. 01) Bill, 2024 को House में Introduce करने की permission मांगेंगी।

माननीया वित्त मंत्री: Hon'ble Speaker Sir, I seek permission of the House to introduce 'The Delhi Appropriation (No. 1) Bill, 2024' to the House

माननीय अध्यक्ष: वित्त मंत्री जी का प्रस्ताव सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता। प्रस्ताव पास हुआ।

माननीय अध्यक्ष: अब माननीय वित्त मंत्री ठपसस को सदन में Introduce करेंगी।

माननीयावित्त मंत्री: Hon'ble Speaker Sir, I introduce 'The Delhi Appropriation (No. 1) Bill, 2024' to the House.[4]

माननीय अध्यक्ष: अब Bill पर Clause-wise विचार होगा।

प्रश्न है कि खण्ड-2, खण्ड-3 व Schedule बिल का अंग बनें-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता।

---

[4] दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर-23269 पर उपलब्ध।

खण्ड-2, खण्ड-3 एवं Schedule बिल का अंग बन गये।

प्रश्न है कि खण्ड-1, Preamble और Title Bill का अंग बनें-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

खण्ड-1, Preamble और Title Bill का अंग बन गये।

माननीय अध्यक्षः अब माननीय वित्तमंत्री प्रस्ताव करेंगी कि 'The Delhi Appropriation (No. 1) Bill, 2024' को पास किया जाए।

माननीयावित्त मंत्रीः Hon'ble Speaker, Sir, the House may now please pass the 'The Delhi Appropriation (No. 1) Bill, 2024'.

माननीय अध्यक्षः वित्त मंत्री जी का प्रस्ताव सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

'The Delhi Appropriation (No. 1) Bill, 2024' पास हुआ।

बहुत-बहुत धन्यवाद। अब सदन की कार्यवाही मंगलवार दिनांक 05 मार्च, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है। सभी माननीय सदस्य वित्त मंत्रालय की ओर से लंच के लिये सादर आमंत्रित हैं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

(सदन की कार्यवाही मंगलवार दिनांक 05 मार्च, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।